चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी, संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 275 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 अप्रैल 2025 बुधवार

आज का मौसम
36 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

संसद में सरकार ने पेश किया वक्फ संशोधन विधेयक, 8 घंटे से ज्यादा चल सकती है नॉनस्टाप चर्चा

वक्फ पर आरपार... नंबर गेम सरकार के पक्ष में, मगर तैयारी दोनों तरफ जोरदार

नईदिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में आज बहुप्रतीक्षित वक्फ संशोधन विधेयक आखिरकार पेश हो गया। इस पर आठ घंटे चर्चा का समय नियत किया गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रश्नकाल के बाद चर्चा के लिये पेश किया। रिजिजू ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल में किसी भी धार्मिक कार्यकलाप में हस्तक्षेप का कोई प्रावधान नहीं है. हम किसी भी मस्जिद के संचालन में हस्तक्षेप करने नहीं जा रहे. चर्चा के लिये एनडीए को 4 घंटे 40 मिनट दिए गए हैं, बाकी वक्त विपक्ष को मिला है। हालांकि विपक्ष ने पहले से ही चर्चा का समय 12 घंटे करने की मांग रखी है। इस बिल पर चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड ने बिल को समर्थन देने की घोषणा की है। दोनों पार्टियों ने अपने सभी सांसदों को सदन में मौजूद रहने के लिए व्हिप भी जारी किया है। दूसरी तरफ विपक्ष बिल के विरोध में है। इस मामले में तमिलनाडु की एआईएडीएमके, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल और के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति जैसी न्यूट्रल पार्टियां भी विपक्ष के साथ हैं। हालांकि इस बिल पर लोकसभा का नंबरगेम सत्ताधारी भाजपा के पक्ष में नजर आ रहा है उसके पास 294 सदस्य हैं जबकि कांग्रेस व अन्य विपक्ष के पास यह संख्या 234 ही है। बावजूद विपक्ष इस बिल व चर्चा को आरपार के रूप में ले रहा है। हालांकि आज लोकसभा में यदि बिल पारित भी हो गया तो सरकार को इसे राज्यसभा में भी पारित कराना होगा। **उधर,** बीते दिन इंडिया ब्लॉक के दलों ने संसद भवन में बैठक करके बिल पर अपनी रणनीति को लेकर चर्चा की थी आज भी सुबह राहुल गांधी,खरगे समेत अन्य दलों के नेताओं ने इस पर अपनी रणनीति को लेकर चर्चा की। इधर मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि चर्चा का समय बढ़ाया भी जा सकता है। देश भी जानना चाहता है कि किस पार्टी का क्या स्टैंड है।

पुलिस की छुट्टी रद्द, भोपाल में 'शुक्रिया'

इस बीच, उप्र में पुलिस की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। जबकि मप्र की राजधानी भोपाल में मुस्लिम महिलाएं बिल के समर्थन में आज सड़कों उतरीं और पीएम नरेंद्र मोदी का शुक्रिया जताया। उनके हाथ में फूल भी नजर आए।

विधेयक पर शंका, सवाल और वस्तुस्थिति

- **क्या वक्फ संपत्तियां खत्म कर दी जाएंगी?**

तथ्य- कोई भी संपति जिसे वैध रूप से वक्फ घोषित किया गया है, रद्द नहीं की जाएगी।

- **क्या वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण नहीं होगा?**

तथ्य- नहीं, वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण होगा।

- **क्या वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक होंगे ?**

तथ्य- बोर्ड में गैर-मुस्लिम शामिल होंगे, लेकिन वे बहुमत में नहीं रहेंगे।

- **नए संशोधन के तहत मुसलमानों की निजी भूमि अधिग्रहित होगी ?**

तथ्य- कोई व्यक्तिगत भूमि अधिग्रहित नहीं होगी।

- **सरकार इसका उपयोग वक्फ संपत्तियों पर कब्जे के लिए करेगी?**

तथ्य- यह बिल जिला कलेक्टर को समीक्षा करने और सत्यापित करने का अधिकार देता है कि किसी संपत्ति को गलत तरीके से वक्फ प्रॉपर्टी के रूप में वर्गीकृत तो नहीं किया गया। खासकर सरकारी संपत्ति के मामले में। बिल वैध रूप से घोषित वक्फ संपत्तियों को जब्त करने को अधिकृत नहीं करता।

- **क्या यह विधेयक गैर-मुसलमानों को मुस्लिम समुदाय की संपत्ति पर नियंत्रण या प्रबंधन की अनुमति देता है?**

तथ्य- हालांकि वक्फ संशोधन बिल में यह अनिवार्य किया गया है कि केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्प बोर्डों में कम से कम दो सदस्य गैर-मुस्लिम होने चाहिए। इन सदस्यों को बोर्ड में अतिरिक्त विशेषज्ञता और निगरानी लाने के लिए जोड़ा गया है. अधिकांश सदस्य मुस्लिम समुदाय से ही रहेंगे. जिससे धार्मिक मामलों पर समुदाय का नियंत्रण बना रहेगा।

आज ट्रंप का टैरिफ डे

भारत समेत कई देशों में असमंजस

नई दिल्ली/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आज दुनियाभर में जैसे को तैसा टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाने की घोषणा करने वाले हैं,इसे लेकर भारत में भी जबर्दस्त बेचैनी है। करेंगे। व्हाइट हाउस ने कहा है कि ट्रम्प बुधवार को शाम 4 बजे 'मेक अमेरिका वेल्दी अगेन इवेंट में भाषण देंगे। इसी इवेंट में रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर घोषणा होगी। घोषणा होने के तुरंत बाद ही टैरिफ लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रम्प ने कई मौकों पर 2 अप्रैल को अमेरिका का मुक्ति दिवस यानी लिबरेशन डे बताया है।

100 फीसद रेसिप्रोकल टैक्स लगाने के इरादे से बाजार परेशान

दरअसल, टैरिफ एक तरह का बॉर्डर फीस या टैक्स होता है, जो कोई भी देश विदेशों से अपने यहां आने वाले सामान पर लगाता है। यह टैक्स आयात करने वाली कंपनी पर लगाया जाता है। इसे घटा-बढ़ाकर ही देश आपस में व्यापार को कंट्रोल करते हैं। उधर इजराइल ने अमेरिका से आने वाले उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी पूरी तरह खत्म कर दी है। अमेरिका इजरायल का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। इजराइल ने 2024 में अमेरिका को 17.3 बिलियन डॉलर का निर्यात किया था। इजराइली सरकार ने बताया कि अमेरिका के साथ 1985 में हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की वजह से लगभग 99 फीसदी अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर कस्टम ड्यूटी पहले ही नहीं लगती है।

भारत पर सौ फीसदी टैरिफ: उल्लेखनीय है कि अमेरिकी संसद के जॉइंट सेशन में ट्रम्प ने कहा था- भारत हमसे 100 प्रतिशत से ज्यादा टैरिफ वसूलता है, हम भी अगले महीने से ऐसा ही करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे देश अमेरिका पर भारी टैक्स और टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका उन पर बहुत कम लगाता है। यह अन्यायपूर्ण है।

इधर.. बाजार दिखा बेखौफ: आज ट्रंप टैरिफ-डे के चलते दुनियाभर के शेयर बाजार सहमे नजर आ रहे हैं। लेकि आज भारतीय शेयर बाजार की प्रतिक्रिया बिल्कुल अलग नजर आ रही है। बुधवार को मार्केट ओपन होने के साथ जहां संसेक्स करीब 450 अंक से ज्यादा उछला तो निफ्टी ने भी ग्रीन जोन में कारोबार की शुरुआत की। जबकि कल संसेक्स 1300 अंक से ज्यादा गिर गया था और निफ्टी में भी तीन सौ अंक की गिरावट थी।

पटाखा फैक्ट्री विस्फोट: 21 मजदूरों के शव लेने पहुंचे मप्र के मंत्री

राज्य व केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता का ऐलान

भोपाल/हरदा, एजेंसी

गत दिवस गुजरात में एक पटाखा फैक्ट्री का बॉयलर फटने से मृत मप्र के 21 मजदूरों के शव आज मध्यप्रदेश लाए जा रहे हैं। यह धमाका इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए थे। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले। अभी तीन मजदूरों की हालत गंभीर है, जबकि 5 मामूली रूप से घायल हैं और इलाज करा रहे हैं। सभी मजदूर हरदा और देवास जिले के रहने वाले थे। इनके शव लेने पुलिस-प्रशासन टीम के साथ मप्र सरकार के मंत्री नागर सिंह भी गुजरात पहुंचे हैं। आज सुबह उन्होंने बताया कि देवास के 10 मजदूरों के शव उनके पैतृक गांव के लिए रवाना किए गए हैं। बाकी शव भी पोस्टमॉर्टम के बाद भेजे जाएंगे।

इधर, गुजरात के हादसे पर सीएम मोहन यादव ने दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। गुजरात सरकार ने भी मृतकों के परिजन को 4-4 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए आर्थिक सहायता देने की बात कही है। हरदा कांग्रेस विधायक डॉ. आरके दोगने ने मृतकों के परिवार को विधायक निधि से 20-20 हजार देने की घोषणा की है। जबकि प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- सवाल मध्यप्रदेश सरकार से है कि हर दिन रोजगार का गाना गाने वाली सरकार इतनी अक्षम हो चुकी है कि मजदूरों को पलायन की आवश्यकता पड़ रही है। उन्हें अपनी जान तक गंवानी पड़ रही है। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी उच्चस्तरीय जांच व दोषियों को कडे दंड की बात कही है।

तेजतर्रार आईपीएस शिवदीप के बाद अब काम्या का इस्तीफा

पटना, एजेंसी

बिहार कैडर की आईपीएस अधिकारी काम्या मिश्रा का इस्तीफा चर्चा में आ गया है। काम्या ने बीते साल अगस्त में पारिवारिक कारणों से इस्तीफा दिया था। इसके बाद लंबी छुट्टियों पर चली गईं थीं, अब उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। वह मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली है तथा वह अभी सिर्फ 28 साल की हैं। उन्होंने सिर्फ 22 साल की आयु में सिविल सर्विसेज क्रैक कर लिया था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के मशहूर लेडी श्रीराम कॉलेज से पढ़ाई की है। इससे पहले पिछले दिनों बिहार के तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी शिवदीप लांडे ने भी इस्तीफा दे दिया था। उल्लेखनीय है कि शुरू में काम्या को हिमाचल कैडर मिला था। हालांकि बाद में उनका ट्रांसफर बिहार कैडर में कर दिया गया। काम्या के पति अवधेश सरोज भी आईपीएस अधिकारी हैं और बिहार कैडर में हैं।

बैटमेन किल्मर का निधन

नई दिल्ली। मशहूर हॉलीवुड अभिनेता वैल किल्मर का निधन हो गया है। 65 वर्ष की आयु में किल्मर का निधन निमोनिया के चलते हुआ। वैल के निधन की पुष्टि उनकी बेटी मर्सिडीज किल्मर ने की। उन्होंने बताया कि दे रात लॉस एंजिल्स में निधन हुआ है। साल 2014 में अभिनेता को गले के कैंसर का पता चला था। हालांकि, उपचार के बाद वे ठीक हो गए थे।

बस-एसयूवी टक्कर में पांच मौतें

बुलढाणा। महाराष्ट्र के बुलढाणा में आज सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ, इस दौरान बस और एसयूवी की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह पूर्वी महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक बस और एसयूवी की टक्कर खामगांव-शेगांव राजमार्ग पर हुई। यहां राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस एक बोलेरो से टकरा गई। इसके तुरंत बाद एक निजी बस ने दोनों वाहनों को टक्कर मार दी।

मप्र में 8 जिलों में आज ओला और पानी का अलर्ट

भोपाल। आज मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम, खंडवा, नरसिंहपुर समेत 8 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। भोपाल-जबलपुर में तेज आंधी चल सकती है। इसकी रफ्तार 40 से 50 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, साइक्लोनिक सर्कुलेशन-टर्फ की वजह से प्रदेश में ओले-बारिश और आंधी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। कल भी कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। भोपाल में पूरे दिन बादल रहे। यह टर्फ दक्षिणी छत्तीसगढ़ से मध्य महाराष्ट्र और विदर्भ-मराठवाड़ा के पास से गुजर रही है। अगले एक दो दिन यही स्थिति बनी रहने की संभावना है।

भाजपा के फ्यूचर लीडर्स संसद की कार्यवाही देखने पहुंचे

भोपाल/दिल्ली, एजेंसी

बीती 29 और 30 मार्च को भोपाल में 'आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' बूट कैम्प में शामिल मप्र के 125 यंग प्रोफेशनल्स में से चयनित 25 युवाओं को आज दिल्ली में लोकसभा की कार्रवाई देखने के लिए भेजा गया है। मप्र से दिल्ली पहुंचे 25 युवा प्रोफेशनल्स आज संसद में वक्फ संशोधन बिल पर होने वाली चर्चा देख रहे हैं। वे दोपहर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संसद भवन में मुलाकात कर संसदीय कार्यप्रणाली को समझेंगे। इस दौरान मप्र भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स के प्रदेश संयोजक मुदित शेजवार, सह संयोजक जयवर्धन जोशी भी मौजूद रहेंगे।

अब मैदान पर गोयनका ने लगाई पंत की क्लास

लखनऊ, एजेंसी

आईपीएल टूर्नामेंट में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने ऋषभ पंत पर 27 करोड़ रुपये खर्च किए। यह रकम अभी तक सही नहीं लग रही है। पंत ने फ्रेंचाइजी के लिए पहले तीन मैचों में बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखाया है। बल्कि अब उनकी कप्तानी के फैसलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैंस उन्हें 27 करोड़ का फ्लॉप बता रहे हैं। इसलिए पंजाब किंग्स से हार के बाद एलएसजी के सह-मालिक संजीव गोयनका मैदान पर पंत पर भड़कते दिखे। कहा जा रहो है कि पिछले सीजन में केएल राहुल की तरह ऋषभ पंत की भी क्लास लगी है। कहा जाता है कि गोयनका की टीम के कप्तानों से सवाल पूछने की आदत है। पहले भी केएल राहुल को टीम की हार पर गोयनका के गुस्से का सामना करना पड़ा था। पंत को भी सीजन के पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार के बाद इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा था। लखनऊ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के साथ वापसी की। इसके बाद वह पंत को गले लगाते दिख थे।

लालू की तबीयत बिगड़ी, पटना से दिल्ली लाने की तैयारी

पटना, एजेंसी

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें दोपहर बाद दिल्ली ले जाया जा सकता है। काफी समय पहल हुए किडनी ट्रांसप्लांट के बाद से वे डॉक्टर्स की निगरानी में हैं। बताया जा रहा है कि लालू यादव का ब्लड शुगर ब? गया है। लिहाजा डॉक्टरों ने उन्हें दिल्ली ले जाने की सलाह दी है। वे दो दिन से बीमार चल रहे थे। 13 सितंबर 2024 को मुंबई के एशियन हार्ट अस्पताल में लालू प्रसाद यादव की एंजियोप्लास्टी हुई थी। उन्हें एक स्टेंट लगा है। इससे पहले 2022 में उनका सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। बेटी रोहिणी ने उन्हें किडनी डोनेट की थी। 2014 में उनकी ओपन हार्ट सर्जरी हुई थी।

पाकिस्तानी सेना ने भारत में घुसपैठ की कोशिश की

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर से में पुंछ इलाके में पाकिस्तान सेना ने घुसपैठ करने की कोशिश की भारत की ओर से पड़ोसियों के इस दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। खबरों की मानें तो एक अप्रैल को कृष्णा घाटी इलाके में पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की वजह से एक लैंड माइन में विस्फोट हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की ओर से जबरदस्त गोलीबारी की गई। उनकी ओर से लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की ओर हालात पर काबू पाया। फिलहाल स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है। बताया जाता है कि पाकिस्तानी सेना की ओर से नियंत्रण रेखा पार कर घुसपैठ की गई। इस वजह से कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। इसके बाद पाकिस्तान सेना ने बिना उकसावे के गोलीबारी की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया।

सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह, बॉलीवुड बेचैन

मुंबई। अभिनेता सलमान खान की फिल्म सिकंदर के बाक्स ऑफिस पर बुरे हश्र की चर्चा है। फिल्म कारोबारी इसे बड़े व्यवसायिक हादसे के रूप में देख रहे हैं। दरअसल 30 मार्च को रिलीज फिल्म बज में थी,लेकिन पहले दिन से यह दर्शकों को इंप्रेस करने में फेल रही। अब आलम यह है कि तीन दिन में ही फिल्म के कई शोज कैंसिल किए जा रहे हैं और दूसरी फिल्मे चलाई जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सूरत, अहमदाबाद, भोपाल और इंदौर के कई थिएटर्स से सिकंदर उतर चुकी है। हालांकि 30 मार्च को रिलीज फिल्म ने 26 करोड़ रुपए का ओपनिंग कलेक्शन किया था।

भक्ति....

भोपाल। राजधानी के मंदिरों में इन दिनों सुबह से लेकर देर रात तक मां के भक्त देवी की आराधना में जुटे हुए हैं।

जश्न....

भोपाल। हताई खेड़ा डैम के पास मुस्लिम समाज द्वारा वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में मुस्लिम समाज में जश्न मनाया।

डामर रोड बनाने 40 लाख कागज में स्वीकृत, टेंडर के लिए लंबा इंतजार

3 महीने बाद भी जारी नहीं हो सका टेंडर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागमुगालिया इलाके के फ्लावर सिटी के लाखों रहवासी, राहगीर और वाहन चालक कॉलोनी की बुनियादी सुविधाओं को लेकर खासा परेशान हो रहे हैं। आलम यह है कि कॉलोनी की सड़कों के दर्द भरे गड्ढे एक ओर जहां वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। साथ ही लोगों के लिए सिरदर्द और रोड एक्सीडेंट की बड़ी वजह बन रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर कॉलोनी की अन्य समस्याएं भी रहवासियों के लिए सिरदर्द बन रही हैं। रहवासियों की मानें तो समस्याओं को लेकर कॉलोनी की सड़क पर विरोध-प्रदर्शन किया था जिसके बाद एमआईसी बैठक में 40 लाख का बजट दिसंबर महीने में कागजों में स्वीकृत हो गया है,लेकिन अभी तक इसका टेंडर जारी नहीं किया गया है। रहवासियों ने बताया कि फ्लावर सिटी की सड़कें जर्जर और बदहाल हो चुकी हैं जिनका निर्माण और मेंटीनेंस वर्क पिछले कई सालों से नहीं किया गया है जिसके चलते अब सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है और गड्ढे ही गड्ढे दिखाई दे रहे हैं। जिससे कॉलोनी के रहवासियों को आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खराब सड़कों की वजह से आए दिन चालक अनियंत्रित होकर गड्ढों का शिकार हो रहे हैं। इनमें से कई वाहन चालकों को गंभीर चोंट भी आ चुकी हैं।

लोगों का कहना है कि सड़कों के गढ्ढे लोगों के लिए सिरदर्द बन रहे हैं आए दिन वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं ऐसे में सड़कों का निर्माण कार्य जरूरी है। कॉलोनी की बदहाल सड़कों की वजह से आवागमन करने में परेशानी हो रही है इसका निर्माण कार्य जल्द से जल्द से किया जाना चाहिए।

जनप्रतिनिधियों पर अनदेखी के आरोप

कॉलोनी के सड़कों की दुर्दशा देखकर रहवासियों ने जनप्रतिनिधियों पर अनदेखी के आरोप लगाए हैं। कहना है कि कॉलोनी के विकास को लेकर जनप्रतिनिधि द्वारा चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए गए थे और अब अब हकीकत यह है कि कॉलोनी की समस्याओं का समाधान तो दूर झांकने तक नहीं आते हैं। जबकि हकीकत यह है कि यदि सड़क के निर्माण को लेकर सक्रियता और दिलचस्पी दिखाते। अब तक सड़क का निर्माण हो चुका होता। रहवासी बोले हम सब रहवासी बेहतर सुविधाओं की उम्मीद के साथ निगम कर का भुगतान करते हैं,लेकिन इसके एवज में अन्य सुविधाएं तो दूर अच्छी सड़कों को लिए भी परेशान हो रहे हैं। नगर निगम के अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कॉलोनी की बुनियादी समस्याओं को लेकर ध्यान देना चाहिए,जिससे लोगों को राहत मिल सके। लोग बोले वार्ड-55 के रहवासी पिछले कई सालों से बुनियादी सुविधाएं के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं। नगर निगम के महापौर हेल्पलाइन से लेकर सीएम हेल्पलाइन में भी कई बार शिकायतें की जा चुकी है,लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुए। जबकि हम सब रहवासियों के द्वारा नगर निगम को टैक्स का नियमित भुगतान इसीलिए किया जाता है कि बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

भदभदा ब्रिज मोड़ पर नहीं लगी रेलिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के कोलार इलाके में करीब दो महीने पहले बिना रेलिंग की सड़क से एक कार नदी में गिरने से दो युवकों की मौत हो गई थी। इस हादसे से सबक लेकर अब तक लोक निर्माण विभाग गंभीर नहीं हुआ है। शहर के नीलबड़ रोड में स्थित भदभदा ब्रिज के पास भी एक स्पॉट ऐसा ही है, जहां पर रेलिंग नहीं होने से वाहन 40-50 फीट नीचे गिर रहे हैं। बताया जा रहा है कि राजधानी से भदभदा ब्रिज होते हुए नीलबड़-रातीबड़ सीहोर होते हुए देवास, इंदौर और उज्जैन जाने वाले हजारों वाहन चालकों के लिए लगातार मुसीबत सामने आ रही है। इस रोड से रोजाना एक लाख से अधिक वाहन आवाजाही करते हैं। ऐसे में तत्काल इस परेशानी को दूर करते हुए लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अफसरों को यहां पर मजबूत रेलिंग लगानी चाहिए।

राजधानी के भदभदा ब्रिज के नजदीक मोड पर रेलिंग नहीं होने के कारण आए दिन यहां पर एक्सीडेंट हो रहे हैं। यहां पर सबसे बड़ी परेशानी यह है कि मोड़ होने के कारण स्पीड में वाहन यहां से आवाजाही करते हैं, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही एक्सीडेंट का कारण बनती है। रेलिंग नहीं होने के कारण रोजाना इस स्थान पर एक-दो एक्सीडेंट होते ही हैं। ऐसे में यात्रियों की मांग है कि लोक निर्माण विभाग को तत्काल इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए। लगातार हादसे के कारण किसी दिन यहां पर बड़ा हादसा हो सकता है। वाहन चालकों की मानें तो कुछ दिनों पहले यहां पर एक तेज रफ्तार नीचे गिरने के कारण कार में तीन से चार लोग फंस गए थे। बाद में राहगीरों की मदद से उन्हें कार से बाहर निकाला गया। हालांकि यहां पर कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन एक्सीडेंट के कारण कार सवार युवकों को चोट जरुर आई थी। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अफसरों से संपर्क किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका है।

रेक्टल सर्जन्स ऑफ इंडिया परीक्षा आज से होगी शुरू

भोपाल। एम्स भोपाल में जनरल सर्जरी विभाग द्वारा एसोसिएशन ऑफ कोलन एंड रेक्टल सर्जन्स ऑफ इंडिया का 28वां इंस्ट्रक्शनल कोर्स और फेलोशिप ऑफ द एसोसिएशन ऑफ कोलोन एंड रेक्टल सर्जन्स ऑफ इंडिया परीक्षा 2 से 6 अप्रैल 2025 तक आयोजित की जाएगी। तीन दिवसीय इस इंस्ट्रक्शनल कोर्स में कोलोरेक्टल सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों पर आधारित वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। पहले दिन सर्जिकल स्टेपलर्स पर, दूसरे दिन स्टोमा एप्लायंसेज पर और तीसरे दिन प्रॉक्टोलॉजी में लेजर के उपयोग पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इन सत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा। देश और विदेश के जाने-माने कोलोरेक्टल सर्जन्स और विशेषज्ञ इस कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करेंगे।

स्कूलों में नया सत्र: शिक्षकों ने उतारी बच्चों की आरती

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत स्कूलों में रौनक लेकर आई। सत्र के पहले दिन स्कूलों में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों का तिलक लगाकर, आरती उतारकर और गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। सरकारी स्कूलों में छात्रों को शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षण सामग्री भी वितरित की गई।

नवनिध पब्लिक स्कूल: नवनिध पब्लिक स्कूल में नए सत्र का शुभारंभ एक विशेष प्रार्थना सभा के साथ हुआ। इस अवसर पर, सिद्धभाऊजी ने छात्रों को नए सत्र की बधाई दी। उन्होंने शिक्षा को जीवन को संवारने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए छात्रों को एक सुव्यवस्थित दिनचर्या बनाने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने छात्रों को परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के साथ अध्ययन करने की सलाह दी। प्राचार्या अमृता मोटवानी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

साधु वासवानी स्कूल: साधु वासवानी स्कूल में नए सत्र की शुरुआत में बच्चों का स्वागत तिलक लगाकर और आरती उतारकर किया गया। शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने स्कूल को ज्ञान का मंदिर बताते हुए छात्रों को ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को सत्र के पहले दिन से ही परीक्षा की तैयारी शुरू करने का महत्व बताया। प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल, दीपा आहूजा और अन्य शिक्षकों ने भी छात्रों का स्वागत किया।

संस्कार विद्यालय: संस्कार विद्यालय में नए सत्र 2025-26 की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ के साथ हुई। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी और कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने छात्रों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने और उस पर चलने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा और प्रधानाचार्या मृदुला गौतम ने भी छात्रों का स्वागत किया। बता दे, संस्था में हर मंगलवार को प्रार्थना सभा में हनुमान चालीसा पाठ की परंपरा है। सत्र का पहला दिन मंगलवार को होने से सत्र में चालीसा पाठ की भी शुरूआत हुई।

शासकीय कन्या स्कूल: संतनगर के शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में सत्र के पहले दिन, शिक्षा विभाग की ओर से छात्राओं को मुफ्त पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अभा सिंधी समाज के राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार और सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी मुख्य अतिथि थे। बैंकर्स क्लब के महासचिव गुलाब जेठानी ने अध्यक्षता की। जसवानी ने छात्राओं को सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं का लाभ उठाने और उच्च पदों पर पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया। प्राचार्या आरसी वर्मा, उप-प्राचार्या गायत्री जायसवाल और अन्य शिक्षकों ने भी छात्राओं का स्वागत किया।

संविदा कर्मचारियों को नहीं मिला वेतन, हड़ताल पर जा सकते हैं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वेतन में देरी से नाराज प्रदेश के सरकारी अस्पताल में पदस्थ संविदा स्वास्थ्य कर्मी हड़ताल पर जा सकते हैं। मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने शासन को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि अगर सात दिन में उनकी मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो वह काम बंद प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। संघ के प्रदेशाध्यक्ष कोमल सिंह ने बताया कि भोपाल सहित प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी जैसे डाटा एंट्री आपरेटर, सफाई कर्मचारी, एंबुलेंस ड्राइवर, वार्डबाय, सुरक्षा गार्ड, आया और अन्य तकनीकी स्टाफ को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा। कई जिलों में यह स्थिति इतनी गंभीर है कि वेतन के नाम पर करोड़ों रुपए का भुगतान लंबित है। राजधानी के मॉडल अस्पताल जेपी में संविदा कर्मचारियों को चार माह से वेतन नहीं मिला। इसके अलावा भी अन्य जिलों में स्थिति ठीक नहीं है।

जेपी में भी चार माह से वेतन नहीं, अन्य जिलों में स्थिति खराब

वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए सख्त कार्रवाई

भोपाल। नगर निगम ने स्वच्छता और वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों पर कार्रवई करते हुए 137 प्रकरणों में 18,600 रुपए का स्पॉट फाइन वसूला। स्वास्थ्य विभाग ने सीएंडडी वेस्ट और निर्माण सामग्री फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। निगम ने सड़कों पर कचरा फैलाने और निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाने वालों से जुर्माना वसूला।

मेट्रो एंकर

दशहरा मैदान पर हुआ यादगार कार्यक्रम

चैतीचांद महोत्सव: भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम सिंधी गायक जतिन उदासी ने बांधा समां

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर में भगवान झूलेलालजी के अवतरण दिवस चैतीचांद का उत्सव जारी है। सोमवार रात सिंधू समाज ने एक भव्य सांस्कृतिक और पारिवारिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें प्रसिद्ध गायक जतिन उदासी व अन्य कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दीं, जिसने देर रात तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामेश्वर शर्मा उपस्थित थे, जिन्होंने सिंधी समाज को चैतीचांद पर्व की बधाई दी। उन्होंने शहीद हेमू कालाणी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम शुरू किया। गायक कलाकार जतिन उदासी ने 1 लाख के हाई वोल्टेज साउंड सिस्टम के साथ अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने सिंधी आयो, सिंधी कालायो, अपनी भाषा पर गर्व करो गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसके बाद दर्शकों ने तालियों और जतिन जतिन की गूंज से कार्यक्रम स्थल को गुंजायमान कर दिया। जतिन उदासी ने अपनी शानदार गायकी से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने गुलाब जो आये गुल नालों आहे, ब्यूटीफुल लाल साई जो, सदके विन्या सन्तो की नगरी में, हां मा सिन्धी आया, जेको सिंधीन जो भगवान आहे और आयोलाल झूलेलाल जैसे कई लोकप्रिय सिंधी भजन प्रस्तुत किए। हैवी साउंड सिस्टम की गूंज देर रात तक पूरे संतनगर में सुनाई देती रही। जतिन उदासी के साथ ज्योत्स्ना पहलाजानी और उनकी टीम ने भी शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कलाकार ज्योत्सना ने सिंधी गीत सिंधीन जा मेला, मेला लगन्दा ही रहन्दा प्रस्तुत किया, वहीं हितैष वासवानी (लखनऊ) ने भी अपने गीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम शुरू होने से पहले, पूरे मैदान को सैकड़ों दीपों से रोशन किया गया था, जिससे एक मनमोहक दृश्य बन गया था। मैदान पर आकर्षक झांकियां और बहराणा साहिब का रथ भी आकर्षण का केंद्र रहे। दर्शकों के लिए विशेष रूप से एलईडी लाइटें और खाने-पीने के स्टॉल भी लगाए गए थे, जहां लोगों ने अपने परिवार के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया।

1 नगर निगम, 6 नगर पालिका समेत अब सूबे के 19 शहरों में शराब कारोबार बंद

सीएम डॉ. यादव ने की थी धार्मिक शहर व घाटों पर शराबबंदी लागू करने की घोषणा, अमल शुरू

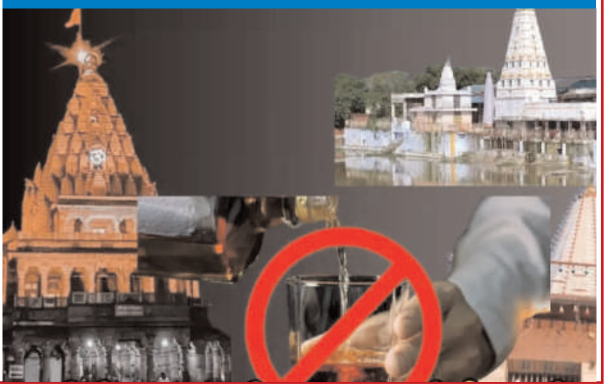

भोपाल दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के उज्जैन नगर निगम, 6 नगर पालिका, इतनी ही नगर परिषद और 6 ग्राम पंचायतों में शराब के कारोबार पर 1 अप्रैल से हमेशा के लिए रोक लग गई है।

यह रोक मोहन सरकार ने लगाई है, सीएम डॉ. मोहन यादव ने कुछ महीने पहले इसकी घोषणा की थी, उसका पालन शुरू हो गया है। अब इन 19 क्षेत्रों में शराब का कारोबार करना अपराध की श्रेणी में आएगा, कार्रवाई की जाएगी।

यहां शराबबंदी लागू

उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मण्डला, मुलताई, मंदसौर और अमरकंटक की सम्पूर्ण नगरीय सीमा में एवं सलकनपुर, कुण्डलपुर, बांदकपुर, बरमानकलां, बरमानखुर्द और लिंगा की ग्राम पंचायत सीमा में समस्त मदिरा दुकानों एवं बार को बंद किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में महेश्वर में हुई कैबिनेट बैठक में इसका निर्णय लिया था।

शराबबंदी करने के पीछे सरकार का दावा है कि जिन प्रमुख पवित्र नगरों में शराबबंदी लागू की है उनमें बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन, प्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली नर्मदा नदी का उद्गम अमरकंटक, महेश्वर, ओरछा रामराजा मंदिर क्षेत्र, ओंकारेश्वर, मंडला में सतधारा क्षेत्र, मुलताई में ताप्ती उद्गम क्षेत्र, पीतांबरा देवीपीठ दतिया, जबलपुर भेड़ाघाट क्षेत्र, चित्रकूट, मैहर, सलकनपुर, सांची, मंडलेश्वर, बान्द्राभान, खजुराहो, नलखेड़ा, पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र मंदसौर, बरमान घाट और पन्ना शामिल हैं, यहां लोगों का आना-जाना लगा रहता है। नशा हर दृष्टि से हानिकारक हो सकता है।

प्रदेश के स्कूलों में नया सत्र शुरू आज 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम

खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी पहुंचे विद्यालय

फाइल फोटो

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2025-26 की शुरुआत स्कूल चलें हम अभियान के रूप में हो चुकी है। स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन दो अप्रैल को शालाओं में ''भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी भी शामिल होंगे। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पड़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुनायेंगे। सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वैच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे।

करीब 92 हजार सरकारी स्कूल

जिला कलेक्टर को जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों के साथ संवाद करने के लिये संवाद करने के भी निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मीडिल, हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियां

स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 3 अप्रैल को शाला स्तर पर पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसका उद्देश्य पालकों का विद्यालय से जुड़ाव करना है। इसी दिन शाला में उपस्थित पालकों को शैक्षणिक स्टॉफ द्वारा राज्य सरकार की स्कूल शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। पिछले शैक्षणिक-सत्र में जिन विद्यार्थियों की 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रही है, उनके पालकों को सभा में सम्मानित किया जायेगा।

हार के आगे जीत

स्कूल चलें हम अभियान के अंतर्गत 4 अप्रैल को ऐसे छात्रों को चिन्हित किया जायेगा, जो किन्हीं वजहों से कक्षोन्नति प्राप्त करने में असफल हो गये हैं। पालकों को इन बच्चों की आगे की पढ़ाई के लिये समझाइश दी जायेगी। उन्हें बताया जायेगा कि असफल होने के बाद भी लगातार प्रयास से अच्छा भविष्य तैयार किया जा सकता है। इसी दिन शाला प्रबंधन और विकास समिति की बैठक भी होगी।

कर्मियों ने भत्तों में हुई बढ़ोतरी को बताया अपर्याप्त

राज्य सरकार के कर्मचारी बोले-13 साल के बाद मिले भत्ते, मगर बहुत कम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य सरकार के कर्मचारियों ने अपने भत्तों में बढोतरी को अपर्याप्त बताया है। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने कहा है कि मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को 200 रू वाहन भत्ता पिछले 13 साल से मिल रहा था जिसे बढ़ाकर अब 384 किया गया है जबकि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को सातवें वेतनमान में 1800 रुपए वाहन भत्ता अब 55त्न महंगाई भत्ते के साथ 2790 प्राप्त होगा। इसी तरह गृह भाड़ा भत्ता अप्रैल 2025 से 10फीसदी, 7 और 5 प्रतिशत किया गया है जबकि केंद्र में सातवें वेतनमान में 10प्रतिशत 20प्रतिशत 30प्रतिशत दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को गृह भाड़े भत्ते में 945 से 7915 तक की वृद्धि केंद्र के अनुसार की जाती तो इस महंगाई में कर्मचारियों को बहुत राहत मिलती यह भत्ते भी पिछले आदेश से 13 साल बाद एवं सातवें वेतनमान के 9 साल बाद यह भत्ता प्रदाय होगा वह भी महंगाई के अनुसार नही मिलेगा।

मंत्री को तीन सूत्रीय ज्ञापन

इधर मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने उद्यानिकी विभाग के स्थाई कर्मी एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की प्रमुख तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उद्यानिकी विभाग के मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा को दिया। मंत्री ने कहा कि इन मांगों का शासन स्तर से निराकरण करने की कार्यवाही की जाएगी। पांडे ने कहा कि स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए, 10 लाख रुपए की ग्रेजुएटी का भुगतान किया जाए एवं 10 साल की सेवा पूर्ण कर चुके दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ दिया जाए।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दो मामलों में लिया संज्ञान

बिल्डर ने किया 30 फीट रोड पर कब्जा खंभे भी लगाए, जांच के निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के दो मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला भोपाल शहर के कल्पना नगर के पास स्थित रोजवुड कॉलोनी के बिल्डर द्वारा सुंदर नगर कॉलोनी की 30 फीट की सड़क पर कब्जा करने का सामने आया है।

आयोग के संज्ञान में आया है कि, बिल्डर द्वारा रोड पर अतिक्रमण कर दस से अधिक मकान भी बनाए गये है। इस विरोध में सुंदर नगर कॉलोनी के 200 से अधिक रहवासियों ने पार्षद से लेकर एसडीएम ऑफिस तक में लिखित शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही की रिपोर्ट भी तलब की है।

घनी बस्ती के बीच कई टन प्लास्टिक का कचरा

भोपाल शहर के भानपुर इलाके में पीपुल्स यूनिवर्सिटी की बाउंड्री वॉल से सटाकर एक रिहायशी बस्ती के बीचों बीच प्लास्टिक गोदाम बने होने का मामला सामने आया है। घनी बस्ती के बीच प्लास्टिक गोदाम बने होने के कारण क्षेत्र के रहवासियों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां बड़े पैमाने पर पुराना प्लास्टिक, फोम और थर्माकोल सहित अन्य प्लास्टिक कबाड़ डंप किया जाता है। गर्मियों में इस कबाड़ में आग लगने की आशंका बनी रहती है, गोदाम के आसपास रहने वाले लोग हमेशा दहशत में रहते है। मामले में आयोग ने कलेक्टर को जांच के निर्देश देने के साथ ही रिपोर्ट तलब की है।

अपनी विरासत को विश्व के हर कोने-कोने में पहुंचाने का संकल्प लें

राज्य स्थापना दिवस हमारी मूल पहचान व सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस: राज्यपाल पटेल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राज्यों का स्थापना दिवस पर हमारे देश की मूल पहचान और सम्मान को ब?ाने का संकल्प दिवस है। इसे अपनी विरासत को विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाने के संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे सभी राज्यों ने हमेशा अपनी धरोहर, संस्कृति और परंपराओं के सम्मान के द्वारा राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया है। इस गौरवपूर्ण धरोहर को सहेजने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य करना हम सभी का परम दायित्व है। उन्होंने कहा कि राज्यों के स्थापना दिवस देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के उत्सव है। भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की धरोहरों के संरक्षण, संकल्प ÷एक भारत-श्रेष्ठ भारत÷ का शानदार प्रदर्शन है। राज्य का स्थापना दिवस को मनाना प्रगति और विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने का प्रसंग है।

राज्यपाल श्री पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवसों के संयुक्त समारोह में राज्यों के मूल निवासी मध्यप्रदेश में निवासरत नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव के. सी. गुप्ता, पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेंत्र सुश्री प्रीति अग्रवाल, निदेशक डाक सेवाएं श्री भरत कुमार डालमिया और राज्यपाल के अपर सचिव उमाशंकर भार्गव मंचासीन थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोग जन जागृति पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण एवं विरूपण मोहर का अनावरण किया। पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेंत्र सुश्री प्रीति अग्रवाल ने बताया कि डाक टिकट देश विदेश में जन जागृति के प्रभावी माध्यम होते हैं। डाक विभाग द्वारा जनजातीय गौरव दिवसपर सिकल सेल एनीमिया रोग पर डाक टिकट जारी किया।

20 साल बाद पीपीपी मोड से चलेगी सरकारी बस सेवा

शुरूआत आदिवासी क्षेत्र से होगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

करीब 20 साल बाद अब मप्र सरकार फिर से परिवहन सेवा की शुरुआत करने की तैयारी में जुयी है। इसके लिए कल मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को कैबिनेट से मंजूरी के बाद काम में तेजी आ गई है। ये बसें प्रदेश में शहर से लेकर गांव तक पीपीपी मॉडल पर चलाई जाएंगी। सरकार बस खरीदने की जगह बस ऑपरेटर्स को इंगेज करके बसों का संचालन करेगी। इसके लिए एक होल्डिंग कंपनी बनाई जाएगी, वही बसों का संचालन और उसका नियंत्रण करेगी। कंपनी के गठन के लिए 101.20 करोड़ की अंशपूंजी के रूप में स्वीकृति दी गई है। जब कंपनी लाभ की स्थिति में आ जाएगी तो कंपनी द्वारा लाभांश राज्य शासन को दिया जाएगा।

गौरतलब है कि भाजपा की बाबूलाल गौर सरकार ने ही वर्ष 2005 में साढ़े चार सौ करोड़ के घाटे में चल रहे राज्य सड़क परिवहन निगम में तालाबंदी की थी, तब से प्रदेश में परिवहन सेवाएं ठप हैं। केवल मुनाफे के मार्ग पर ही निजी बसें चलाई जा रही हैं। इससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है वहीं निजी बस संचालकों की मनमानी भी खूब है। बताया जाता है कि नई सेवाएं पहले आदिवासी अंचलों से आरंभ होगी। मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक में के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि हमने चुनाव के समय घोषणा की थी गरीबों को सुगम ट्रांसपोर्ट उपलब्ध कराएंगे। परिवहन सेवा को पिछली सरकारों ने बंद कर दिया था, हमने परिवहन नीति बनाई है और इस बार मॉडल बदला है। हम पीपीपी मॉडल पर बसें चलवाएंगे। इसके लिए जिला स्तरीय समिति गठित की जाएगी। इसके समन्वयक कलेक्टर रहेंगे। समिति में जिले के सांसद, समस्त विधायकगण, महापौर, अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहेंगे।

यह समिति बसों के संचालन की मॉनिटरिंग, संचालन, साधारण एवं ग्रामीण मार्गों पर बस स्टाप, चार्जिंग स्टेशन के निर्माण संबंधी सुझाव के साथ जिले के बस ऑपरेटर्स के मध्य आवश्यक समन्वय का कार्य करेगी। बस का उपयोग कार्गो सेवा के लिए भी किया जाएगा, नीति में इसका प्रविधान किया जाएगा। राज्य परिवहन निगम की संपत्तियां कंपनी के आधिपत्य में रहेगी। सरकार का दावा है कि अब बसों पर प्रभावी नियंत्रण होगा। यात्रियों एवं बस ऑपरेटर्स के लिए एप और कंपनी की मॉनीटरिंग के लिए एक डैशबोर्ड भी होगा।

संपादकीय

यात्रा के फलितार्थ एवं कयासबाजी

आजकल राजनीतिक गलियारों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय की यात्रा चर्चा में हैं। इसके कई निहितार्थ निकाले भी जा रहे हैं। खास बात यह कि मोदी की यात्रा के करीब दस दिन पहले से ही यह गुणाभाग शुरू हो गया था। अब रविवार को अपनी नागपुर यात्रा के दौरान मोदी ने हालांकि कई कार्यक्रमों में शिरकत की, लेकिन उनके इस दौरे का सबसे खास पहलू था, संघ मुख्यालय में पहुंचना। नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री कभी वहां नहीं गए थे। वे करीब बारह वर्ष बाद संघ मुख्यालय पहुंचे थे। उनसे पहले संघ मुख्यालय जाने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी रहे। वैसे तो पीएम मोदी संघ प्रचारक रहे हैं, संघ की सोच और उसके अजेंडा को लेकर उनका समर्पण संदेहों से परे रहा है, फिर भी कई वजहों से केंद्र सरकार और संघ के बीच रिश्तों में कथित रूप से थोड़ी असहजता पिछले कुछ समय से लगातार देखी जा रही थी। पिछले साल भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनावों से पहले अप्रत्याशित रूप से कहा था कि पार्टी अब इतनी समर्थ हो गई है कि उसे संघ के सहारे की जरूरत नहीं। नड्डा के इस बयान को भी दोनों के रिश्तों में असहजता से जोड़कर देखा गया। खैर, औपचारिक तौर पर संघ की भाजपा अध्यक्ष के इस बयान पर कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन जब लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी अबकी बार चार सौ पार% के दावों के बीच अपने दम पर बहुमत तक हासिल नहीं कर पाई तो माना गया कि संघ की कथित नाराजगी से उपजी उदासीनता की इसमें बड़ी भूमिका रही। इसके बाद दोनों तरफ से गलतफहमियां दूर करने की कोशिशों का नतीजा हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली अप्रत्याशित सफलता को माना गया। कहा गया कि संघ ने दोनों राज्य में जमीनी काम किया और भाजपा का काम आसान होता गया। अब पीएम मोदी की इस ताजा नागपुर यात्रा ने रहा-सहा संदेह भी दूर करने का काम किया है। आरएसएस से भाजपा के रिश्तों के संदर्भ से अलग हटकर देखें तो भारतीय राजनीति को प्रभावित करने वाले कुछ और अहम सवाल भी इस यात्रा से जोड़े जाते रहे हैं। ऐसा ही एक सवाल अगले पार्टी अध्यक्ष के नाम पर सहमति बनने का भी है। भाजपा लंबे समय से अपना नया अध्यक्ष नहीं चुन पा रही है। अक्सर इसमें संघ की मौन सहमति अहम मानी जाती रही है। इसीलिये अब माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा पार्टी और सरकार के भविष्य के लिहाज से अहम माने जाने वाले ऐसे कई मसलों पर फैसलों में तेजी लाएगी। यह बात सही है कि कि संघ मुख्यालय की यात्रा के दौरान भागवत और मोदी के बीच इन विषयों पर बातचीत नहीं हुई होगी,यह बातें ऐसे मौके पर होती भी नहीं हैं, लेकिन ऐसी यात्रा एक संकेत और संदेश के साथ ही दोनों पक्षों के बीच की निकटता को परिभाषित करने का काम करती है, बाकी विषयों पर फैसले फिर अपने अंदाज में होते रहते हैं। दूसरी तरफ पिछले कुछ समय में भाजपा व पीएम मोदी की अगुआई में हिंदुत्व की राजनीति ने अपना जैसा विस्तार किया है, उसके मद्देनजर यह सवाल भी अब बहुतों के मन में उठता है कि इस राजनीति के अगले चरण का नेतृत्व कौन करेगा। हालांकि अभी केंद्र में भाजपा की गठबंधन दलों के साथ सरकार सुविधाजनक तरीके से चल रही है। सारे दलों के सुरों में भी बहुत ज्यादा टकराव नहीं है। लेकिन भाजपा लंबे समय की राजनीतिक तैयारी करती है और संघ भी काफी दूर तक देखता और सोचता है।

ट्रम्प के टैरिफ की चुनौती से मुकाबले की तैयारी

■ औनिंद्यो चक्रवर्ती

तकरीबन 2,000 साल पहले, जब रोमन साम्राज्य अपने चरम पर था, भूमध्य सागर से बाहर के बंदरगाहों से आने वाले व्यापारिक जहाजों को अपने साथ लाए जाने वाली प्रत्येक वस्तु पर एकमुश्त कर चुकाना पड़ता था। कुछ शताब्दियों बाद, जब इस इलाके पर रोमनों का राज जाता रहा और यह क्षेत्र यहां-वहां बिखरे देशों और छोटी सल्तनतों में विभक्त हो गया, तो व्यापारियों को एक बंदरगाह से दूसरे राजा के बंदरगाह तक जाने के लिए कई किस्म के शुल्कों का सामना करना पड़ा।इसलिए, एक परंपरा विकसित हुई, जिसमें व्यापारियों को पहले से ही यह बता दिया जाता था कि प्रत्येक वस्तु पर कितना कर लगाया जाएगा। अरबी भाषा में इसे 'तारीफ़ः' अर्थात्‌ अधिसूचना कहा जाता था। यही शब्द अन्य भाषाओं में भी आया, स्पेनिश में 'टैरिफा', इतालवी में 'टैरिफा' और आगे चलकर अंग्रेजी में 'टैरिफ' बना। गया।

आज, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बदौलत, यह शब्द पिछले चार दशकों से चली आ रही विश्व व्यवस्था में खलल डालने पर तुला है। कुछ ही दिनों में, ट्रम्प की 'जवाबी' टैरिफ नीति हर देश को प्रभावित करने वाली है। अमेरिका में आयात शुल्क दर अब ठीक उतनी होगी जो माल भेजने वाला देश अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर लगाएगा।

हम पर भी इसका असर होगा। साल 2023-24 में अमेरिका को हमारा निर्यात 78 बिलियन डॉलर रहा और इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में यह 60 बिलियन डॉलर को पार कर गया। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा दवाइयों का था- हमारी दवा कंपनियां अमेरिका को महत्वपूर्ण दवाओं के सस्ते संस्करण निर्यात करती हैं और कमाई मोटी है। इनके बाद सबसे बड़ा अंश था टेलीकॉम उत्पादों का, जैसे कि भारत में पुर्जे जोड़कर बनाए आईफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल गैजेट एवं मशीनें इत्यादि।हालांकि, हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को बहुत अधिक कारें नहीं बेचते हैं, लेकिन ऑटो पार्ट्स हम खूब निर्यात करते हैं। अमेरिकी बाजार हमारे सकल ऑटोमोबाइल निर्यात का 27 प्रतिशत हिस्सा है। हम अन्य देशों को भी ऑटो पार्ट्स निर्यात करते हैं, जिनका उपयोग ऑटोमोबाइल तैयार करने में किया जाता है, जिन्हें आगे अमेरिका भेजा जाता है। निर्यात का एक अन्य बड़ा हिस्सा हीरे एवं सोने के गहने हैं। वर्ष 2024 में, हमने अमेरिका को 12 बिलियन डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात किए। हम वहां कपड़ा और परिधान भी भेजते हैं। पिछले साल, हमने अमेरिका को 11 बिलियन डॉलर के रेडीमेड परिधान, यार्न और टेक्सटाइल बेचे। भारत से अमेरिका को कई किस्म के समुद्री खाद्य पदार्थ भी निर्यात किए जाते हैं। हम अमेरिकी उपभोक्ताओं को विभिन्न किस्मों के चावल भी बेचते हैं। वर्ष 2024 में अमेरिकी बाजार में भारत से कुल मिलाकर 6 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन, मछली और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ पहुंचे थे। वर्तमान में, अमेरिका को भारत का सकल निर्यात उसके यहां से आने वाले माल से 45 बिलियन डॉलर अधिक है।

ट्रंप का मानना है कि इस अंतर का एक बड़ा कारण है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर बहुत अधिक टैरिफ लगाता है, जिससे भारतीय बाजार में अमेरिकी सामान अधिक महंगा हो जाता है। भारत विदेश से घरेलू अर्थव्यवस्था में आने वाली वस्तुओं पर औसतन 12 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। यह अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से पांच गुना अधिक है। लेकिन बात जब विशिष्ट वस्तुओं की आए तो यह अंतर और भी अधिक गहरा हो जाता है। आयातित कृषि उत्पादों पर भारत औसतन 37.8 प्रतिशत टैरिफ लगाता है जबकि अमेरिका केवल 5.4 प्रतिशत लगा रहा है। अमेरिका में बने ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स पर हमारा टैरिफ उसके द्वारा भारतीय कलपुर्जों पर वहां लगाए जाने वाले शुल्क से 24 प्रतिशत से भी ज्यादा है। हाल ही तक, अमेरिका भारतीय ऑटो कलपुर्जों पर महज 1 प्रतिशत शुल्क लगाता रहा था।भारत और अमेरिका के टैरिफ के बीच अब तक रहे अंतर में : कृषि उत्पादों में 32.4 प्रतिशत, ऑटो पार्ट्स में 23.1 प्रतिशत, हीरे और सोने के आभूषणों में 13.3 प्रतिशत, फार्मास्यूटिकल्स में 8.6 प्रतिशत तो इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल और दूरसंचार उत्पादों में 7.2 प्रतिशत शामिल है। यही चीज़ ट्रम्प के निशाने पर है। भारत के टैरिफ जितना शुल्क लगाने का उनका निर्णय या तो भारतीय निर्यात को अप्रतिस्पर्धी बना देगा या फिर अगर भारत चाहता है कि अमेरिकी बाजार तक अपने माल की पहुंच जारी रहे, तो उसे अपने टैरिफ अमेरिका के समान करने को मजबूर होना पड़ेगा। दोनों ही विकल्प भारत के लिए बुरे हैं।

ट्रम्प के जवाबी टैरिफ से भारतीय कृषि उत्पाद, समुद्री भोजन और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अमेरिका में 31 प्रतिशत तक महंगे हो जाएंगे। अमेरिकी उपभोक्ता के लिए यह कारण बासमती चावल की बजाय इसके सस्ते विकल्प 'टेक्समती' की और मुड़ने के लिए काफी होगा। भारतीय ऑटो पार्ट्स भी 23 प्रतिशत महंगे हो जाएंगे। अमेरिकी बाजार में भारत निर्मित दवाएं और अन्य चिकित्सा उत्पाद 7 से 9 प्रतिशत तो रत्न एवं आभूषण 13 प्रतिशत महंगे पड़ेंगे। इससे भारतीय उत्पाद अमेरिकी दुकानों से बाहर हो सकते हैं। हमारे निर्यातक प्रतिस्पर्धा करने में तभी सक्षम हो सकेंगे, जब वे अपनी बिक्री कीमत कम रख पाएंगे। इसलिए, भारतीय झींगा और मसालों को 17 प्रतिशत कम पर बेचना पड़ सकता है ताकि उच्च टैरिफ के बाद भी अमेरिकी सुपर मार्केट में उनकी बिक्री बनी रहे। पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय फार्मा कंपनियों ने अमेरिका में खुदरा दवा बिक्री में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई थी, जिससे आयरलैंड और स्विट्ज़रलैंड के बाद भारत अमेरिका को तीसरा सबसे बड़ा फार्मास्यूटिकल्स निर्यातक बन गया। अब ट्रंप के जवाबी टैरिफ लागू होने से भारतीय दवा कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कि अमेरिकी उपभोक्ता की जेब पर असर न पड़े, अपनी कीमतों में 6-8 प्रतिशत की कमी करनी पड़ जाएगी, अन्यथा हो सकता है वे फिर से आयरिश और स्विस दवा निर्माताओं की ओर रुख करें, जिन्हें भारतीय कंपनियों के हाथों अपना हिस्सा गंवाना पड़ रहा है।

वास्तव में, ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह बहुत जल्द फार्मास्यूटिकल्स पर और ऊंचे टैरिफ की घोषणा करेंगे, जो जबावी दरों से कहीं अधिक हो सकता है। उस स्थिति में, भारतीय दवा कंपनियों को अपना मार्केट शेयर घटने और मुनाफे में कमी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं अगर अमेरिका निर्मित वस्तुओं पर टैरिफ में भारत कटौती करता है, तो क्या होगा? उस स्थिति में, अमेरिकी कृषि उत्पाद- जैसे मेवे, मिल्क चीज़ और मीट 24 प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे। अमेरिकी कारों की कीमत अभी की तुलना में लगभग आधी हो जाएगी। अमेरिका निर्मित ऑटो पार्ट्स औसतन 19 प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे।

अमेरिका में बने अन्य उत्पाद भी भारतीय बाजार में 5-12 प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे। टैरिफ की दीवारें ऊंची करके ट्रंप अमेरिकी विनिर्माण को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं। तर्क है कि जब अमेरिकी उपभोक्ताओं को आयातित वस्तुओं का अधिक दाम चुकाना पड़ेगा तो जाहिर है वे घरेलू उत्पाद खरीदने लगेंगे। दूसरी ओर, अगर विदेशी निर्यातक कीमतें कम करने को तैयार हो जाते हैं, तो जहां अमेरिकी सरकार की कमाई टैक्स से हो जाएगी वहीं अमेरिकी उपभोक्ता को पुरानी कीमत पर माल मिलता रहेगा। यदि विदेशी सरकारें आयातित वस्तुओं पर अब तक अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे टैरिफ के बराबर शुल्क लगाती हैं, तो इससे भारत जैसे विदेशी बाजारों में अमेरिकी वस्तुओं की बिक्री बढ़ जाएगी। यानी हर हाल में, बाकी दुनिया को गरीब बनाकर वह खुद मुनाफे में रहेगा।

(साभार : लेखक आर्थिक मामलों के टिप्पणीकार हैं।)

तमिलनाडु में हिन्दी विरोध का सच

■ उमेश चतुर्वेदी

तमिलनाडु के बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक के इस्तेमाल पर हंगामा स्वाभाविक है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति की सोच राष्ट्रीय सहमति से अलग रही है। लिट्टे के खिलाफ जहां देशव्यापी गुस्सा रहा, वहीं डीएमके की राजनीति उसके प्रति राग से भरी रही। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है। सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करने की भी कोशिश भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के उद्वेलित करने वाले हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के लिए बेहतर खाद रहे हैं, इसलिए एक बार फिर स्टालिन को इनसे उम्मीद नजर आ रही है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका जताई गई थी। इसी वजह से मजबूत केंद्र की अवधारणा की मांग स्वीकार की गई। इसके बावजूद आए दिन कुछ न कुछ राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख और राह अख्तियार करने की कोशिश करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में वह पश्चिम बंगाल भी जुड़ गया है, जहां से राष्ट्रवाद की विचारधारा को बल मिला था। तमिलनाडु तो खैर अरसे से ही कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करता रहा है। ऐसा करते वक्त तमिल राजनीति इस तथ्य की अनदेखी करती रही है कि संविधान और राष्ट्र की प्राचीन अवधारणा के लिहाज से तमिल धरती पूरी तरह भारतीय है। हिंदी विरोध की सोच तमिलनाडु में 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुई। तब भी यह विचार, राष्ट्रीय युगबोध से अलग था। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत के तीखे विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत को लेकर कांग्रेसी बौद्धिकों ने नैरेटिव गढ़ा था। जिसके हिसाब से गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव ने एक तरह से उत्तर और दक्षिण के विभाजन की रेखा को खींचने की कोशिश की। इसी का विस्तार लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में भी दिख सकता है।

राष्ट्रीय सहमति और सोच से उलट सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर ने सरकार ने तब करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजह से बर्खास्त कर दिया था। कांग्रेस करीब दो दशक से डीएमके की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी ही सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में एक दशक के अन्नाद्रमुक राज के बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। इसे बचाए रखने की जुगत में स्टालिन जुट गये हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा करना और स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु में सबसे आसान रहा है। त्रिभाषा फ़ॉर्मूले में स्टालिन को हिंदी विरोध की आसान राह सूझी और वे मैदान में कूद पड़े। लोकसभा सीटों के परिसीमन में जनसंख्या के लिहाज से सीटें कम होने का डर वह पहले से दिखा रहे हैं। रूपए का प्रतीक बदलना उनका अगला कदम है। 1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बनने वाली थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई में हुए तीव्र हिंदी विरोधी आंदोलन को भी समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके असर में दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। हालांकि इस बार हिंदी विरोध, परिसीमन का डर या रूपए के प्रतीक बदलने को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से भी समझ आने लगा है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा नजर आता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है। इन मुद्दों को लगातार उछालने की एक वजह यह भी है, ताकि वह विधानसभा चुनावों तक जिंदा रहे।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

> **बूढ़े को मत पूछो, पूछना हो तो अनुभश्री से पूछो ।**
>
> **- अज्ञात**

आज का इतिहास

- 1849- ब्रिटिश पंजाब की स्थापना आज ही के दिन हुई थी।
- 1984 - स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा मिशन सोयूज़ टी-11 के तहत अंतरिक्ष जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने।
- 1989 - फिलिस्तीन मुक्ति संगठन के नेता यासर अराफात फिलिस्तीन के राष्ट्रपति निर्वाचित।
- 1997 - सुमिता सिन्हा ने अपने ऊपर से 3,200 किग्रा भार के ट्रक को पार करने की अनुमति देकर रिकॉर्ड बनाया।
- 1999 - मास्को में स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल (सीआईएस) की शिखर बैठक सम्पन्न।
- 2001 - नेपाल में माओवादी विद्रोहियों द्वारा 35 पुलिस अधिकारियों की हत्या।
- 2007 - सोलोमन द्वीप में शक्तिशाली सुनामी आयी।
- 2008 - कर्नाटक में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा। अमेरिका में हावर्ड विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हावर्ड बिजनेस स्कूल ने सुश्री अंजली रैना को मुंबई स्थित अपने भारत अनुसंधान केन्द्र का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया।
- 2011- भारतीय क्रिकेट टीम ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को हराकर आईसीसी विश्वकप 2011 की ट्रॉफी अपने नाम की।
- 2017- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में देश की सबसे लंबी चेनानी-नाशरी सड़क सुरंग राष्ट्र को समर्पित किया। अमरीकी गायक और गीतकार बॉब डिलन ने साहित्य के लिए प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार स्वीकार कर लिया।
- 1943 - बिन्देश्वर पाठक - भारतीय समाजशास्त्री और सामाजिक उद्यमी और 'सुलभ इंटरनेशनल' के संस्थापक थे का जन्म दिवस।
- 1891 - टीबी कुन्हा, गोवा के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी का जन्म दिवस।

निशाना

हो जाएगा पेश !

-कृष्णेन्द्र राय

बिल बिल का हर तरफ ।
मच गया है शोर ।।
हर पक्ष ने अपना ।
है लगाया जोर ।।
हो जाएगा पेश ।
खबर बड़ी है आई ।।
नफा और नुकसान सब ।
देख कर अंगड़ाई ।।
संसद से सड़क तक ।
है चर्चा चहुंओर ।।
किसी को जल्लबाजी तो ।
कोई भावविभोर ।।
है पूरी तैयारी ।
मंथन पर विराम ।।
नजरे है टिकाई ।
पूरी ये आवाम ।।

कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

5 अप्रैल तक सभी विभागीय अधिकारी अपना वार्षिक रोस्टर एवं निरीक्षण डायरी बनाएंगे

नरवाई की कटाई के लिए हैप्पी एवं सुपर सीडर को बढ़ावा मिले

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे वार्षिक लक्ष्य का निर्धारण करते हुए विभागीय रोस्टर निरीक्षण डायरी बनाएं। इसमें अपनी योजनाओं एवं निर्माण कार्यों तथा निरीक्षण का लक्ष्य निर्धारित करें और अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुसार ही सारे कार्य समय सीमा में संपादित करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष सभी अधिकारी अपने दिए गए लक्ष्य को बढ़ाएं। उन्होंने संभाग के सभी जिलों में नरवाई जलाने की प्रवृत्ति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसानों के बीच जाकर हैप्पी सीडर और सुपर सीडर मशीन के उपयोग को बढ़ावा दें। किसानों को समझाइश दे की सुपर एवं हैप्पी सीडर

मशीन से नरवाई काट कर उसका उपयोग भूसे के रूप में करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की किसानों को मक्का की फसल लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मूंग एवं गेहूं की बजाय किसान मक्का का उत्पादन करें इसके लिए कृषि विभाग हर संभव प्रयास करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 15 विभाग को संलग्न किया गया है जो जल गंगा अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों को मूर्त रूप देंगे। उन्होंने गेहूं उपार्जन के संबंध में भी आवश्यक जानकारी ली एवं बताया कि अब तक किसानों को गेहूं उत्पादन का 14 करोड रुपए का पेमेंट किया गया है लेकिन अभी 5 करोड़ का पेमेंट सक्सेस दिख रहा है। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि गेहूं उपार्जन के सात दिवस के अंदर किसानों को उपार्जन का पेमेंट करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी एवं स्कूल अपने निर्धारित समय पर खोलने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने 2005 के बाद नियुक्त ऐसे कर्मचारी एवं अधिकारी जिनका एनपीएस मिसिंग कटोत्रा है उनके मिसिंग कटोत्रा को एनपीएस में जोड़ने के निर्देश दिए और कहां की मिसिंग कटोत्रा की मैचिंग अनिवार्य रूप से कराई जाए। कमिश्नर ने खुले बोरवेल एवं नलकूप के गडडो को ढकने के निर्देश दिए और कहां की खुले नलकूप एवं बोरवेल के गड्ढे दुर्घटनाओं को आमंत्रित करते हैं, इससे जनहानि बढ़ सकती है। उन्होंने लापरवाही से नलकूप एवं बोरवेल के अनुप्रयोगी गडडो को खुला छोड़ने वालों के विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित करनें के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टरो को मिलावटी खाद्य पदार्थ की जांच करने के निर्देश दिए और कहां की ड्रग इंस्पेक्टर वर्ष भर सक्रिय रहकर मिलावटी एवं दूषित खाद पदार्थ की जांच करें।

कमिश्नर ने आईआईटी महाविद्यालय में 30त्न महिला सीट के रिक्त रहने के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए कि वे बालिकाओं एवं महिलाओं के बीच जाकर आईटीआई महाविद्यालय में विभिन्न तकनीकी कोर्स में प्रवेश लेने के लिए बालिकाओं एवं महिलाओं को प्रोत्साहित करें।

नवरात्र : तीसरे दिन हुई मां चंद्रघंटा की पूजा

तेंदूखेड़ा। नवरात्रि के तीसरे दिन मंदिरों में मां चंद्रघंटा की पूजा आराधना की गई मंगलवार की अलसुबह मां को जल अर्पण करने के लिए काफी संख्या में धर्म प्रेमी बंधू पहुंचे पुरानी खेरमाता ,तहसील खेरमाता, महाकाली मंदिर , ज्वाला देवी मंदिर, शारदा मंदिर, पंचवटी धाम पहुंचे जहां पर जल अर्पण कर पूजा अर्चना की नवरात्रि के नौ दिनों में मां के नौ रूपों की अलग-अलग पूजा अर्चना की जाती है पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि नवरात्रि के नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करने का विधान है। मां दुर्गा की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघंटा है। मां चंद्रघंटा का स्वरूप परम शान्तिदायक और कल्याणकारी है। नवरात्रि के तीसरे दिन मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की आराधना की गई माना जाता है कि मां चंद्रघंटा की पूजा और भक्ति करने से आध्यात्मिक शक्ति मिलती है। धर्म शास्त्रों के अनुसार, नवरात्रि के तीसरे दिन जो भी जातक माता के तीसरे रूप मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना करता है, उसे माता की कृपा प्राप्त होती है। इस साल चैत्र की नवरात्रि का मंगलवार को तीसरा दिन था। मां चंद्रघंटा का स्वरूप क्या है धर्म शास्त्रों के अनुसार, मां चंद्रघंटा ने राक्षसों के संहार के लिए अवतार लिया था। इनमें ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवों की शक्तियां समाहित हैं। ये अपने हाथों में तलवार, त्रिशूल, धनुष व गदा धारण करती हैं। इनके माथे पर घंटे के आकार में अर्द्ध चंद्र विराजमान है। इसलिए ये चंद्रघंटा कहलाती हैं। भक्तों के लिए माता का ये स्वरूप सौम्य और शांत है।

विहिप गौरक्षा विभाग ने किया अखिलेश यादव का पुतला दहन, ज्ञापन भी सौंपा

गंजबासौदा। विश्व हिंदू परिषद गौरक्षा आयाम ने सपा अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव के गौशाला के प्रति दिये गये वयान के विरोध में जय स्तंभ चौक पर प्रदर्शन नारेबाजी कर अखिलेश यादव का पुतला दहन किया। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया है कि अखिलेश यादव ने कहा कि जिन लोगों को दुर्गंध पसंद है वे गौशाला बनाते हैं। यह टिप्पणी गौ माता का घोर अपमान है और हिंदू धर्म सनातन संस्कृति एवं भारतीय परंपराओं का अनादर करने के समान है। सनातन धर्म में गाय केवल एक पशु नहीं, अपितु मातृ स्वरूपा एवं पूजनीय है। गौशालाएं हमारी श्रद्धा सेवा एवं भक्ति का प्रतीक हैं। जो हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रही हैं। ऐसे में किसी भी व्यक्ति विशेष रूप से एक जनप्रतिनिधि द्वारा इस प्रकार की असंवेदनशील तुच्छ एवं धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी न केवल अक्षम्य है। बल्कि देश की धार्मिक एवं सामाजिक एकता के लिए भी घातक है इस प्रकार से गौ माता का अपमान करने वाली गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी से न केवल हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुँची है। एक जनप्रतिनिधि द्वारा इस तरह के बयान उन असामाजिक तत्वों को बल एवं संरक्षण प्रदान करेंगे। जो गौहत्या में संलिप्त हैं और गौमांस के अवैध व्यापार को बढ़ावा देते हैं। यह स्थिति न केवल हिंदू समाज के लिए बल्कि देश के कानून और संविधान की भावना के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। ज्ञापन में मांग की गई है। कि अखिलेश यादव द्वारा दिए गए इस अपमानजनक बयान का संज्ञान लेकर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए एवं उनकी संसद सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। क्योंकि जो व्यक्ति सनातन धर्म हिंदू परंपराओं और पूज्य आस्थाओं का सम्मान नहीं करता उसे भारत की संसद में जनप्रतिनिधि बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति, विशेष रूप से जनप्रतिनिधि, गौ माता, हिंदू धर्म, या किसी भी धार्मिक आस्था का अपमान करने का दुस्साहस न कर सके गौहत्या और अवैध गौमांस व्यापार के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएं ताकि गौ माता की रक्षा सुनिश्चित की जा सके इस अवसर पर बड़ी संख्या में विहिप गौरक्षा विभाग के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मनुष्य को अपनी मर्यादा में रहकर कार्य करना चाहिए : विकास एलिया

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

सिरोंज चौराहा स्थित रजोदा न्यायालय परिसर रोड स्थित नागेश्वर पशुपति नाथ मंदिर प्रांगण में चल रही भागवत कथा की चतुर्थ दिवस पर कथा वाचक आचार्य पंडित विकास ऐलिया ने कहा कि भगवान धरती पर अवतार लेते है। श्रीराम जन्म का वर्णन करते हुए। उन्होंने कहा कि श्रीराम भगवान विष्णु के अवतार हैं। उन्होंने धरती पर मानव रूप में जन्म लिया।

भगवान राम में वैदिक सनातन धर्म की आत्मा कहे जाने वाले सभी गुण विद्यमान है। इसी कारण भगवान श्रीराम को पुरूषों में सबसे उत्तम पुरूष अर्थात् मर्यादा पुरूषोत्तम भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि संसार की भलाई के लिए भगवान ने कई अवतार लिए। भगवान राम ने मानव रूप में कई महान कार्य किए। भगवान राम ने चित्रकुट में रहकर धर्म और कर्म की शिक्षा ग्रहण की। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर सभी का अधिकार है। जीवन के लिए पढ़ाई जरूरी है। मनुष्य को अपनी मर्यादा में रह कर ही कार्य करने चाहिए। कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाई गई। इसके साथ ही श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की बधाईयां हुई। नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की भजन पर सभी भक्त झूम उठे। पंडित एलिया ने बताया कि कथा में श्रीराम सीता की झांकी संजाई गई और कृष्ण जन्मोत्सव को उत्साह उमंग के साथ मनाया गया।

वहीं व्यास गद्दी और श्रीमद्भागवत कथा की पूजा अर्चना करके आरती की गई। कथा में उपस्थित अतिथि राजेश तिवारी संदीप तिवारी लखन शर्मा मुकेश शर्मा मनीष सोनी सरीना राजेश राय माथुर सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

अनुकंपा नियुक्ति, पीएम आवास, लाडली लक्ष्मी योजना आदि के 59 आवेदन आए

कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान किया नागरिकों की समस्याओं का समाधान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को कलेक्टर सोनिया मीना ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान 59 आवेदन कर्ताओं की समस्याओं का समाधान किए। इस दौरान उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति, प्रधानमंत्री आवास, लाडली लक्ष्मी योजना से संबंधित कई अन्य शिकायती आवेदनों के निराकरण किए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर डीके सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के दौरान आवेदनकर्ता कृष्ण कुमार घोरमारे ने आवेदन प्रस्तुत कर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने के लिए कलेक्टर को बताया कि उनके पिता जो कि एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायक ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ थे उनका देहांत 18 जनवरी को हो चुका है। देहांत उपरांत शासन के निर्देश अनुसार अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाना था जो कि अभी तक अप्राप्त है। कलेक्टर ने जिला योजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देश दिए की आवेदन करता के प्रकरण के सभी बिंदुओं की जांच कर अनुकंपा नियुक्ति उपलब्ध करवाई जाना सुनिश्चित करें।

एक अन्य आवेदक ममता पवार निवासी ग्राम गुढ़ला तहसील माखन नगर ने बताया कि लाडली लक्ष्मी योजना में उनकी पुत्री का नाम गलत दर्ज हो गया है, नाम सही करने को लेकर कई बार आवेदन किया गया लेकिन नाम ठीक नहीं हुआ हैं, कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की त्रुटि सुधार करते हुए हितग्राही को योजना का संपूर्ण लाभ उपलब्ध करवाया जाए।

इसी प्रकार रविशंकर धनवारे निवासी कोटला खेड़ी तहसील डोलरिया के द्वारा जनसुनवाई में आवेदन देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना सर्वे सूची में उनका नाम अग्रणी होने के बावजूद भी उन्हें लाभ नहीं मिल पाया है। आवेदनकर्ता की समस्या समाधान के लिए कलेक्टर ने जनपद सीईओ सिवनी मालवा को निर्देश दिए कि परीक्षण कर हितग्राही को योजना के लाभ से लाभान्वित करें।

जनसुनवाई के दौरान जया यादव निवासी मालाखेड़ी नर्मदापुरम प्रस्तुत करते हुए राशन पात्रता पर्ची में उनका एवं उनके बच्चों का नाम नहीं जुड़ पाया है, केवल उनके पति का ही नाम जुड़ा हुआ है, जिसके कारण बच्चों का एडमिशन भी स्कूल में नहीं हो रहा है। कलेक्टर ने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि आवेदन में उल्लेखित समस्याओं का बिंदु और परीक्षण कर आवेदनकर्ता की समस्या का समाधान करें।

लाठी एवं कराटे प्रशिक्षण शुभारंभ हुआ

गंजबासौदा। महिलाओं एवं बच्चियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से युवाशक्ति फाउंडेशन के तत्वाधान में द फाइटिंग ऑफ़ मार्शल आर्ट्स अकादमी गंजबासौदा के सहयोग से नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए 10 दिवसीय निशुल्क लाठी एवं कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसका शुभारंभ मानस भवन परिसर में संपन्न हुआ। फाउंडेशन के अध्यक्ष लोकेश सक्सेना के द्वारा बताया गया कि हमारा उद्देश्य है। समय आने पर महिलाए और बच्चियां अपनी आत्मरक्षा कर सकें। 10 दिवसीय प्रशिक्षण में द फाइटिंग ऑफ मार्शल आर्ट अकादमी के संचालक कृष्ण गोपाल जोगी का विशेष योगदान है।अकादमी के प्रशिक्षित कोच सुमित सैनी एवं सुहानी सैनी के द्वारा लाठी और जूडो कराटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। फाउंडेशन की प्रमुख सदस्य प्रियंकामाथुर के द्वारा बताया गया। की अपनी घर की महिलाओं और बच्चियों को अधिक से अधिक संख्या में आत्मरक्षा के लिए लगाए शिविर में पहुंचाएं जिससे वह अपनी आत्मरक्षा के गुण सीख सकें।

बड़ी खेर माई मार्ग अतिक्रमण की चपेट में : सरियों के ढेर बन सकते हैं जानलेवा

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जबलपुर रहली स्टेट हाइवे बड़ी नगर के प्रमुख आस्था के केंद्र खेर माई मंदिर जाने का मुख्य मार्ग है जो कभी इस क्षेत्र की शिराओं में दौड़ते खून की तरह जीवनदायी था, आज एक खतरनाक जोखिम में बदल चुका है। सड़क किनारे दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से रखे गए लोहे की सरियों के बंडल (विंडल) किसी भी पल एक बड़े हादसे को जन्म दे सकते हैं। यह मार्ग न केवल स्थानीय आवागमन का केंद्र है, बल्कि बड़ी

खेर माई मंदिर की ओर जाने वाली आस्था की राह भी है। लेकिन अब यहाँ फैली अव्यवस्था और लापरवाही ने इसे मौत के मुहाने पर ला खड़ा किया है।

इस व्यस्त मार्ग पर सड़क की एक ओर लोहे की सरियाँ और भारी निर्माण सामग्री दुकानदार ने बेढंग से

रखकर रोड की पट्टी तक अतिक्रमण कर लिया है और बिक्री के लिए रखे लोहे की छड़ों के बंडल सड़क की पट्टी तक फैले हैं, जिससे वाहनों के लिए रास्ता संकरा हो गया है। दिन के उजाले में भी इनसे बचना मुश्किल है, और रात के अंधेरे में तो ये अदृश्य खतरे की तरह मौजूद हैं। नवरात्रि के समय अधिक ट्रैफ़िक और रात्रि में कम रोशनी की स्थिति इसे और भी जोखिम भरा बना देती है। यहाँ से गुजरने वाला हर वाहन चालक और पैदल यात्री हर कदम पर अपनी सुरक्षा को लेकर आशंकित रहता है। हाल ही में इस मार्ग हादसों की खबरें सामने आ चुकी हैं। एक रात एक बाइक सवार किनारे रखे लोहे के बंडल से टकरा गया था, जिसमें चालक को मामूली चोटें आईं।

प्रशासन ने दे रखी है ढील

यह अतिक्रमण कोई नई समस्या नहीं है। लंबे समय से दुकानदार सड़क को अपनी दुकानों के विस्तार के रूप में इस्तेमाल करते आ रहे हैं। नगर परिषद और प्रशासन इस मुद्दे से वाकिफ हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही होती दिखती है पैसों के लालची इन अतिक्रमणकारि दुकानदारों को क्या प्रशासन लोगों की जान को जोखिम में डालने का अधिकार देती है?

27 को होगा ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन

नर्मदापुरम. स्थानीय गार्डन में आयोजित कड़ा मानिकपुरी जिझोतिया ब्राह्मण समाज की बैठक में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय अनुसार इटारसी में 27 अप्रैल को अखिल भारतीय राष्ट्रीय परिचय सम्मेलन किया जाना सुनिश्चित किया गया बैठक में जिला अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी अरुण दीक्षित कैलाश दुबे संतोष दीवान रमेश दुबे अशोक परसाई मुकेश दुबे किरण तिवारी आशुतोष दुबे अश्वनी तिवारी अतुल दुबे आदित्य दुबे मुकेश तिवारी के साथ अन्य सदस्य उपस्थित हुए बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्राप्त बायोडाटा का प्रकाशन सम्मेलन के पूर्व कर लिया जाए ताकि सम्मेलन में ही परिवार वालों को इसका लाभ मिल सके.

मेट्रो एंकर शालाओं में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया प्रवेशोत्सव कार्यक्रम : विद्यार्थियों का तिलक लगाकर किया स्वागत

जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पुस्तकें वितरित कर बढ़ाया उत्साह

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को जिले की सभी शासकीय शालाओं में स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा निःशुल्क पुस्तकें वितरित की गईं।

जिला परियोजना समन्वयक डॉ. राजेश जायसवाल ने बताया कि कलेक्टर सोनिया मीना एवं सीईओ जिला पंचायत सुजान सिंह रावत के निर्देश पर जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन सीएम राइज पवारखेड़ा में किया गया.

विकासखंड सिवनी मालवा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधायक प्रेमशंकर वर्मा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष राधा सुधीर पटेल ने बच्चों की हौसला अफजाई की। विकासखंड नर्मदापुरम में शासकीय प्राथमिक शाला आईटीआई में नगरपालिका अध्यक्ष नीतू यादव ने कार्यक्रम में भाग लिया। विकासखंड पिपरिया में स्थानीय विधायक ठाकुरदास नागवंशी एवं नगरपालिका अध्यक्ष नीना नागपाल ने कार्यक्रम में शिरकत की। विकासखंड माखननगर के शासकीय मॉडल स्कूल में विधायक विजयपाल सिंह ने बच्चों एवं पालकों से मुलाकात

कर पुस्तकें वितरित कीं। इसी प्रकार, अन्य विकासखंडों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंत में, ओआईसी माधवी मल्होत्रा ने जिला शिक्षा केंद्र में समस्त अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसमें कक्षा 5वीं एवं 8वीं के परिणामों की समीक्षा प्रभारी एपीसी अकादमिक प्रदीप चौहान के साथ की गई। एफएलएन की विस्तृत रिपोर्ट एवं जानकारी निपुण प्रोफेशनल योगेश प्रताप सिंह द्वारा प्रदान की गई।

यहां भी मना प्रवेश उत्सव

शासकीय प्राथमिक शाला आई टी आई में नपा अध्यक्ष नीतू यादव की उपस्थिति में प्रवेश उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया. इसमें नव प्रवेशी बच्चों को माला पहनाई गई स्वनिर्मित ग्रीनकार्ड, टोपी ओर निशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की गई इस अवसर पर भोपाल से ओ आई सी मेडम माधुरी मल्होत्रा, जिले के जिला परियोजना अधिकारी राजेश जायसवाल, नवसाक्षरता अधिकारी श्रीमती सारिका शर्मा, लेखपाल प्रियंक गोयल बीआरसी श्रीमती सपना गोलानी, बी ए सी चंद्रभूषण वशिष्ठ व उपस्थित अधिकारियों द्वारा बच्चों को प्रेरक उध्बोधन दिया गया ।

अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए

गंजबासौदा। शासकीय माध्यमिक शाला चोरावर में प्रवेश उत्सव मनाया गया। जिसमें जिला पंचायत सदस्य गायत्री रघुवंशी, सरपंच पन्नालाल लोधी,शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष राजेश अहिरवार, पंचायत सचिव एवं बच्चों के पालक सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जिला पंचायत सदस्य गायत्री रघुवंशी की ओर से कक्षा एक की प्रवेशी बच्चों को स्पोर्ट्स ड्रेस प्रदान की गई। स्वयंसेवी संगठन के माध्यम से कक्षा 1 के बच्चों को स्कूल बैग किट प्रदान की गई। सरपंच की तरफ से कक्षा एक के प्रवेशित बच्चों को थाली

वितरण किया गया। जनपद पंचायत के सुनील द्वारा बच्चों को पानी की बोटल का वितरण किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया सभी अतिथियों को लेखनी प्रदान की गई। शिक्षक संजीव रघुवंशी ने बताया कि विद्यालय की ओर से वर्ष का सर्वोत्तम बालक एवं बालिका को पुरस्कार वितरण किया गया। एवं साथ ही पिछले सत्र में सर्वाधिक उपस्थिति वाले एक बालक एवं एक बालिका को पुरस्कार प्रदान किया गया।

शाला में पहला कदम अभियान : जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

बच्चों को टीका लगाया व फूल-माला पहनाकर विद्यालय में कराया प्रवेश

■ बच्चों को निशुल्क स्कूल बैग किट, पाठ्य पुस्तक सामग्री और गणवेश प्रदाय की गई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

स्कूल चलें हम अभियान के तहत आज विदिशा जिले की सभी शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। नव प्रवेशित बच्चों को विधायकों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व कलेक्टर सहित अन्य ने टीका लगाकर, फूल माला पहनाकर स्वागत किया और बच्चों को स्कूल बैग किट पाठ्य पुस्तक सामग्री और यूनिफॉर्म वितरित की। गौरतलब हो कि कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की पहल पर जन भागीदारी से इस बार नवीन शैक्षणिक सत्र में बच्चों को स्कूल बैग किट प्रदाय की गई है जिसमें जन सहयोग भी रहा है।

विदिशा जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में चिन्हित किए गए 1032 बच्चों को कक्षा पहली में प्रवेश लेना है। जिसके तहत आज प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में जिले भर के शासकीय विद्यालयों में कार्यक्रमों का आयोजन कर बच्चों का स्वागत कर उन्हें स्कूलों में प्रवेश कराया गया है।

इसी प्रकार सिरोंज में मंगलवार को एक कदम साल की ओर अभियान प्रारंभ किया गया। इसके तहत सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों स्वागत सत्कार करके दाखिला किया गया। इस अभियान में विशेष रुचि कलेक्टर रोशन सिंह ने दिखाई उन्होंने नावचर करते प्रत्येक बच्चे को शिक्षा उपलब्ध कराने और उनका भविष्य उज्जवल बनाने के लिए।जिले भर में 1 अप्रैल को ढोल नगाड़ों के साथ सरकारी स्कूल में प्रवेश उत्सव मनाया और जन सहयोग से शिक्षा सामग्री की किट भी प्रवेश लेने बच्चे वाले बच्चों को दिलवाई गई जिसके तहत हजारों बच्चों को निशुल्क में शिक्षण सामग्री मिली जिसको पकार बच्चों के चेहरे पर खुशी थी कई महीनो तक इनको बैग किताबें पेन कॉपी नहीं मिल पाती है पर इस बार जन सहयोग से इस काम को करवाया गया। एसडीएम हर्षल चौधरी ने धूमधाम से प्रवेश उत्सव करवाया इसी तरह देहरी स्कूल में ढोल बजा कर स्वागत किया समाजसेवी सुरेंद्र रघुवंशी ने अपनी तरफ से बच्चों किटें उपलब्ध कराई वरिष्ठ शिक्षक के के माली ने बताया कि हर बच्चे को शिक्षा मिले स्कूली बच्चों का ढोलो से स्वागत तिलक एवं खीर पुरी आदि खिलाकर मनाया

शासन की मंशा अनुरूप एकीकृत शासकीय विद्यालय कर्राखेड़ी में विद्यालय के प्रधानाध्यापक लखमीचंद कोली ने स्टाफ के साथ शाला में पहला कदम योजना के अंतर्गत अक्षत तिलक और फूलमाला पहनाकर बच्चों का स्वागत किया । साथ ही प्रवेशोत्सव में वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशानुसार ष्ह्रष् जाहिद खान, नोडल दिनेश साहू की उपस्थिति में बच्चों को निशुल्क पुस्तक, बैग तथा सहायक सामग्री का भी वितरण किया गया ।

शासकीय माध्यमिक शाला रकाबगंज शाला परिसर में प्रवेशोत्सव बड़े धूम-धाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि वार्ड नंबर 5 के पार्षद अजमल शेर खान नोडल अधिकार श्रीमति अनीता पंथी एवं विशेष अतिथि अशोक रावल मौजूद र रहे। मुख्य अतिथि पार्षद अजमल शेर खान ने कार्यक्रम में अपने विचार रखे श्री खान ने बच्चों से कहा की हमे प्रति दिन स्कूल आना चाहिए जिससे हम पढ़ लिखकर देश की सेवा में अपना योगदान देने की सोचे जब हम प्रति दिन शाला में पढ़ने आयेंगे तो हम लिख पढ़ सकेंगे जो कुछ आप लोगो को नहीं आता आप लोग मास्टरों से बेझिझक पुछे हम ये आदत डल लेंग तो हमें पढ़ाई करने कोई परेशानी नहीं आयेगी समाजसेवी अशोक रावल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों आप दिल लगा कर पढ़े आप से कोई डाक्टर, पुलिस ओर शिक्षक भी बन सकता है आप सभी छात्र छात्राएं प्रति दिन शाला पढ़ने आये में छात्र छात्राओं के पालकों से निवेदन करता हूँ कि आप भी महीने में एक बार अपने बच्चों के स्कूल जाएं जिससे से बच्चों में भी भेय रहेगा कि हमारे माता पिता भी स्कूल आते जिससे बच्चे शाला पढ़ने जाने में रूचि रखेंगे।

बड़ी खेरमाई मंदिर में कलशारोहण

तेंदूखेड़ा। बड़ी खेर माई मंदिर में आज श्रीमद् देवी भागवत कथा का पंचम दिवस बड़े ही धूमधाम और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर आचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया मंदिर में कलशारोहण का भव्य आयोजन होने जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु माता के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। सुबह से ही मंदिर परिसर माता के जयकारों और मंत्रों की गूंज से भक्तिमय हो उठा है। पिछले चार दिनों से चल रही श्रीमद् देवी भागवत कथा में माता दुर्गा की महिमा और उनके दिव्य चरित्र का वर्णन किया जा रहा है। आज का दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि कलशारोहण का यह अनुष्ठान माता के प्रति समर्पण और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

जनसुनवाई में 100 आवेदन प्राप्त हुए

सिरोंज! विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में हरेक मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से आवेदको की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। मंगलवार एक अप्रैल को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में 100 आवेदको के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। जनसुनवाई कक्ष में मौके पर 35 आवेदनो का निराकरण किया गया है शेष लंबित आवेदनों पर समय सीमा में कार्यवाही कर निराकरण की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश उल्लेखित विभागो के अधिकारियों को दिए गए है। लेक्ट्रेट के भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष के समीप स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपचार केम्प के अलावा आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्यो का भी संपादन किया जा रहा है। आज मंगलवार को आधार सेन्टर में 20 आयुष्मान कार्डो के संदर्भ में स्टॉल के माध्यम से कार्य संपादित किया गया है जिसमें मुख्यत: नाम परिवर्तन, नाम, पता परिवर्तन तथा नवीन आयुष्मान कार्ड जारी करने के कार्य किए गए है। वहीं स्वास्थ्य सुविधाओं के तहत चिकित्सको के द्वारा 25 नागरिकों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया है। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर द्वय श्रीमती शशि मिश्रा, सुश्री निकिता तिवारी, डिप्टी कलेक्टर श्री संतोष बिटौलिया के अलावा विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों के द्वारा आवेदनो का निराकरण किया गया है।

विहिप बजरंग दल ने गौ माता पर दिए बयान को लेकर , अखिलेश यादव का फूंका पुतला

सिरोंज। मंगलवार को बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने तात्या टोपे नया बस स्टैंड पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला दहन किया कार्यकर्ताओं से पुलिस की पुतले को लेकर झूमा झपटीं भी हुई इसी बीच इन्होंने पुतले मैं आग लगा दी इसके कारण पुलिस पुतले को जलने से नहीं रोक पाई। बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने बताया कि अखिलेश यादव ने गाय के गोबर से बदबू आना और गौ शालाओं के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर के लाखों गो पालकों का अपमान किया हम इनके बयान की घोर निंदा करते हैं। वहीं पुतला दहन स्थल पर पुलिस एवं फायर बिग्रेड बिग्रेड के माध्यम से कार्यकर्ता को रोकने का प्रयास किया गया विहिप नेता राकेश सक्सेना ने बताया कि गौ पालक गो माता की सेवा पीढ़ियों से कर रहे हैं अखिलेश यादव को बयान देने से पहले सोच समझ कर बोलना चाहिए हर बात में तुष्टिकरण उचित नहीं गो शाला से नफरत ओर बूचड़ खाने से प्रेम यह उचित नहीं होगा । इस दौरान जगदीश शाक्य, अनिल राठौड़, अविनाश अग्रवाल , राजेश जैन, तुलसी नारायण , शाक्य , गुलाब कुशवाहा, ज्ञान सिंह कुशवाहा, नरेंद्र, गौरव जड़िया ,मुकेश शर्मा आदि लोग मौजूद थे।

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के बैनर तले ईद मिलन समारोह आयोजित

सिरोंज। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने ईद मिलन समारोह का किया आयोजन सिरोंज के वरिष्ठ नागरिक पत्रकार गण एवं जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे सोमवार को बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ ईद उल फितर का त्यौहार मनाया गया वहीं दोपहर 2-00 बजे से नगर पालिका शादी हाल में ईद मिलन समारोह कार्यक्रम किया गया ईद मिलन समारोह का आयोजन करने का उद्देश्य आपसी भाईचारा और सद्भाव को बढ़ावा देना हे, विभिन्न समुदायों के लोगों ने कार्यक्रम के दौरान अपनी-अपनी बात रखी एवं त्योहार को एक दूसरे के साथ मिलकर मनाने को कहा वही पत्रकार महासंघ के अध्यक्ष रोहित दास शर्मा ने कहा कि सिरोंज में आज तक ऐसा नहीं लगा कि अलग-अलग तरीके से त्योहार को मनाया जाता हो और ना ही कोई कभी सिरोंज में हिंदू मुस्लिम करता वही समाज सेवी अशोक जैंत खर्चा द्वारा कहा गया कि ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी का उद्देश्य यही होना चाहिए कि सभी को एक साथ लाया जाए और उन्हें एक-दूसरे को समझने और जानने का अवसर प्रदान कराया जाए वही वही ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला अध्यक्ष अलताफ खान द्वारा कहा गया कि हमारा उद्देश्य यही है कि हम सभी धर्म के त्योहारों को बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाएं और इस तरह के कार्यक्रम बार-बार करते रहे जिसमें आप सभी वरिष्ठ जनों का सहयोग प्रधान होना आवश्यक है कार्यक्रम का संचालन इरफान मंसूरी द्वारा किया गया आभार हाफिज शम्स कमर द्वारा किया गया कार्यक्रम में ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के सदस्य अब्दुल अलीम सलमान अमीन शकील मंसूरी महफूज खान अरबाज खान अमिर माविया अरबाज गोरी तबरेज आलम जुनैद खान वसीम खान अमीन शाह आदि लोग उपस्थित रहे

महामाई के दरबार में, रासलीला रामलीला देखने उमड़ रहे भक्त

सिरोंज। चैत्र नवरात्रि उत्सव मेला माहमाई मैया कके दरबार में बड़े भक्ति भाव से मनाया जा रहा माता रानी की आरती और दर्शन करने के लिए भक्तों का ताता लगा रहता है रात्रि में झिलमिल करती रोशनी से यहां की सुंदरता दूर से ही नजर आने लगती है दिन में रासलीला और रात्रि में होने वाले रामलीला देखने के लिए भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। विश्व कल्याण के लिए श्री दुर्गा शंत चंडी महायज्ञ हो रहा है मंदिर के प्रधान पुजारी आचार्य पं. नलिनीकांत शर्मा के आचार्यत्व में यज्ञ में मुख्य यजमान ओमप्रकाश रघुवंशी मुख्य वेदी पर प्रतिदिन की पूजा अर्चना यज्ञशाला में सम्पन्न करतेहैं। चैत्र नवरात्रि में इस बार महामाई मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ बड़ी एवं चौड़ी सड़क का आनंद भी मिल रहा है। विधायक उमाकांत शर्मा के विशेष प्रयासों से भोपाल मार्ग से महामाई मंदिर तक बनकर तैयार हुआ।

सेटिंग के आगे सब फेल, आग के ढेर पर हो रही है गेहूं की खरीदारी, पिछली दुर्घटनाओं से जिम्मेदारों ने ली सीख

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सरकारी सिस्टम में सेटिंग का ऐसा मकड़ जाल फैला हुआ है कि उसके आगे सारी व्यवस्थाएं नियम कायदे कानून धरे के धरे रह जाते हैं। इसी का परिणाम है की बासौदा रोड शहर से 3 किलोमीटर की दूरी स्थित मंगल वेयर हाउस पर गेहूं की खरीदी हो रही है पास में ही भूसे की खरीदारी करने का काम हो रहा है इसके आगे किसानों के गेहूं के ढेर लगे हुए जिम्मेदार अधिकारी आंखें बंद करके यहां पर खरीदी करवा रहे है जिसके चलते किसी दिन बड़ी घटना भी घटित हो सकती है। पिछली बार भी इसी तरह की लापरवाही के चलते बड़ी घटना हो चुकी है उससे भी इन्होंने कोई सीख नहीं लिए एक बार फिर बड़ी दुर्घटना को दावत देने का काम यहां पर हो रहा है जरा सी आग की चिंगारी निकली तो बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी आग पर काबू पन मुश्किल हो जाएगा गेहूं और भूसे की खरीदी इतने पास पास में हो रही है किसी ने इस तरफ ध्यान देना उचित नहीं समझा या फिर मिली भगत से इस काम को अंजाम दिया जा रहा है । इसके पीछे के कारण बताए जा रहा है कि जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों सेटिंग होने से नियम विरुद्ध काम भी हो रहा है इसके बदले में सब की सेवा हो जाती है उसके दबाव में जिम्मेदार अधिकारी आंखें बंद करके ऐसे काम की अनुमति दे देते हैं जिसके कारण कई बार बड़ी जनहानि और बड़ी दुर्घटना हो जाती है। पिछले वर्ष गेंहू खरीदी के पास में हीं भूसे की खरीदी होने के कारण हसम पुर पर बड़ी घटना भूसे में आग लगने से हो चुकी है। विभाग के अधिकारियों ने इससे कोई सीख नहीं ली इस बार फिर इसी तरह की गलती सिर्फ सेटिंग के दबाव में हुई है तभी तो नगर से चंद किलोमीटर की दूरी पर मंगल वेयरहाउस में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी हो रही है इसके पास में ही भूसा खरीदी हो इसके बड़े-बड़े टल लगे इसके के आगे गेहूं के ढेर लगे हुए हैं मुश्किल से 50 से 100 फीट की दूरी पर गेहूं की खरीदी हो रही है पास में ही एक वेयरहाउस है उसमें भी भूसा भरा हुआ है यहां पर भूसा खरीद कर रखने का काम किया जा रहा है। उसके आगे ही गेहूं की तुलाई हो रही है इसकी जानकारी होने के बाद भी खाद्य पूर्ति विभाग के जिम्मेदारी आंखें बंद करके बैठे हुए हैं या फिर इनकी सहमति से ही इस कारनामे को अंजाम दिया जा रहा है तभी तो आग के ढेर पर हो रही खरीददारी को रोकने के लिए जिम्मेदार कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। किसी दिन इनकी लापरवाही के कारण बड़ी दुर्घटना भी घटित हो सकती है शायद तभी कुंभकरण की नींद में से जिम्मेदार अधिकारी जागेंगे और इस पर ध्यान देंगे। पिछले वर्ष पथरिया के पास में एक बड़ा घटना हो गई थी गेहूं की खरीदी के पास में भूसा की खरीदी हो रही थी आग लगने से बड़ी समस्या हो गई थी जिले भर से फायर गाड़ियों को बुलाया गया था दो दिन में आग पर काबू पाया जाता जबकि इस समय आसपास फसल लगी हुई है नरवाई भी है यदि भूसे के ढेर में आग लगी तो बड़ी परेशानी खड़ी हो जाएगी उसके साथ ही किसानों की हजारों कुंटल फसल भी तुलाई के लिए रखी हुई है।

इनका कहना है

"समर्थन मूल्य खरीदी केंद्र के पास में भूसे की खरीदी हो रही है उसको बंद करवाने का कार्य हम करेंगे इसको दिखवाते भी हैं।"
-हर्षल चौधरी एसडीएम

लूट की नीयत से घर में घुसकर आरोपी ने वृद्धा को उतरा मौत के घाट, दो पर तलवार से वार

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जिले तारादेही थाना अंतर्गत ग्राम बासी में मंगलवार को एक वृद्ध महिला की पत्थर पटक कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना को अंजाम देने वाला आरोपी कुख्यात बदमाश बताया जा रहा है, जिसने घटना के बाद उसे पकड़ने आए 2 अन्य लोगों को भी तलवार से हमला कर घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपी ने लोगों को डराते धमकाते हुए मौके से भागने का प्रयास किया परंतु ग्रामीणों ने सूझबूझ और घेराबंदी कर आरोपी को पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। प्रारंभिक जानकारी में हत्या के पीछे की वजह आरोपी द्वारा लूट के इरादे से घर में घुसना सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि मृतिका अपने घर ने अकेली रहती थी और आरोपी भी उसके पड़ोस में ही रहता था। मामले के सभी पहलुओं की जांच पुलिस कर रही है।

प्राप्त जानकारी अनुसार तारादेही थाना क्षेत्र के ग्राम बासी में सुबह करीब 8.30 बजे आरोपी मुकेश पिता सुटई यादव उसके पड़ोस में रहने वाली मूलाबाई पति भुजआ अहिरवार 70 वर्ष के घर लूट नीयत से घर में घुसा और इस दौरान वृद्धा जब नहाकर कपड़े पहनने के लिए अंदर जा रही थी तो उसने वृद्धा के साथ मारपीट करते हुए उसके गले में पड़ा सोने का ताबीज और नाक की नथ खींची। इस दौरान वृद्धा ने उसका विरोध करना शुरू किया तो आरोपी ने घर के अंदर रखे पत्थर को सिर पर पटककर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी महिला के शव को घसीटते हुए घर से बाहर सड़क पर ले आया और शव को बाहर छोड़कर उसकी नथ और ताबीज अपने साथ लेकर घर चला गया। घटना की जानकारी ग्रामीणों को मिलते ही वह सकते में आ गए और इस दौरान वृद्धा के परिजन बृजेश बेन और पप्पू बेन जो रिश्ते में भाई है वह आरोपी को पकड़ने उसके घर पहुंचे तो आरोपी ने घर से तलवार लाकर उनपर भी हमला कर दिया जिससे दोनों घायल हो गए। बताया जाता है की घटना के बाद आरोपी लोगों को डराते धमकाते और उन पर पत्थर फेंकते हुए भागने का प्रयास करने लगा। इसके बाद ग्रामीणों ने उसका पीछा किया और गांव के बाहर घेराबंदी कर एक खेत के समीप उसे पकड़ लिया और उसे रस्सी से बांध दिया। घटना की जानकारी पुलिस को दिए जाने के बाद मौके पर पुलिस के पहुंचने पर आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने घटना में घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में भर्ती कराते हुए आरोपी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ और कार्यवाही शुरू कर दी है।

इनका कहना है

"घटना में प्रयुक्त हथियारों को जप्त करते हुए आरोपी पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की कार्यवाही जारी है।"
-राजी पुरोहित
तारादेही थाना प्रभारी

मेट्रो एंकर कलेक्टर ने स्कूल संचालकों व बुक सेलरों से पुन: संवाद किया

हर स्कूल को किताबों की सूची उपलब्ध कराने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

■ तीन दिवसीय पुस्तक मेला का आयोजन गुरूवार से

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विदिशा जिले में संचालित अशासकीय स्कूलो और पुस्तक विक्रेताओं से पुन: संवाद किया है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में स्कूल संचालको और बुक सेलर को शासन के नवीन संशोधित नियमो से अवगत कराते हुए उनका पालन सुनिश्चित कराने की पहल करने से अवगत कराया गया है।

कलेक्टर ने कहा कि सभी अशासकीय विद्यालयों में संचालित पुस्तको की सूची जिला शिक्षा कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। पूर्व में भी ततसंबंध में अवगत कराया गया है किन्तु कुछ विद्यालयों द्वारा यह कार्य अभी तक पूरा नहीं किया गया है ऐसे सभी स्कूल संचालको को सचेत किया जा रहा है कि स्वंय कार्यवाही से बचे और दूसरो को अभिप्रेरित करे।

कलेक्टर ने कहा कि एक भी अशासकीय विद्यालय में संचालित होने वाली पाठयपुस्तके की बिक्री किसी भी एक विक्रेता से नहीं की जाएगी। किताबो का विक्रय ओपन फोरम रहेगा अर्थात सभी विक्रेताओं के यहां किताबे उपलब्ध हो ऐसी कार्यप्रणाली बुक सेलरों के द्वारा क्रियान्वित की जानी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा बुक बेण्डरो के यहां डमी अभिभावको को भेजकर क्रा मानिटरिंग कराई गई है यह अच्छी बात सामने निकल कर आई है कि कहीं भी किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिली है। कलेक्टर ने कहा कि अभिभावको को स्कूली किताबे खरीदने और बुक सेलरो को किताबे विक्रय करने में सुगमता हो इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष पहल की जा रही है ताकि किसी को दिक्कतो का सामना ना करना पडे इसके लिए जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय पुस्तक मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला रविन्द्रनाथ टेगौर सांस्कृतिक भवन आडिटोरियम में अप्रैल माह की तीन से पांच तारीख तक आयोजित किया जाएगा। उक्त मेले में सभी बुक सेलरो के लिए दस बाई दस के स्टॉल उपलब्ध कराएं जाएंगे ताकि अभिभावकगण उक्त मेले में भ्रमण कर सुगमता से किसी भी बुक सेलर के स्टाल में पहुंचकर स्कूली किताबो की खरीदी कर सके। मेले में अभिभावकगण आवश्यक किताबो का आर्डर बुक कर पैमेन्ट करने पर किताबे उनके घर पहुंचाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बुक बेण्डरो की मेला परिसर में सुरक्षा दृष्टिकोण से संबंधित शंकाओं का समाधान करते हुए कहा कि सम्पूर्ण सुरक्षा प्रशासन के माध्यम से सुनिश्चित कराई जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था ना हो जाए।

संयुक्त कलेक्टर व स्कूल शिक्षा विभाग की जिला नोडल अधिकारी श्रीमती शशि मिश्रा ने स्कूल संचालको और बुक सेलरो की ततसंबंध में जिज्ञासाओं का समाधान किया वहीं तीन बुक सेलरो का पैनल बनाया गया है जो बुक सेलरो से संबंधित समस्याओं की जानकारी एकजाई प्रस्तुत करेंगे।

श्रेयस की वापसी होगी; अभिषेक, नीतीश और वरुण को मिल सकता है मौका

रोहित-विराट बीसीसीआई कॉन्ट्रेक्ट लिस्ट में 'ए' प्लस ग्रेड में ही रहेंगे

मुंबई, एजेंसी

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर्स विराट कोहली और रोहित शर्मा बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में 'ए' प्लस ग्रेड में ही रहेंगे। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड दोनों खिलाड़ियों को टी-20 से रिटायरमेंट के बावजूद ए प्लस ग्रेड में रखने पर विचार कर रहा है। इस ग्रेड में दोनों प्लेयर्स को सालाना 7 करोड़ रुपए मिलेंगे। बोर्ड का मानना है कि इन दोनों खिलाड़ियों को वह सम्मान मिलना ही चाहिए, जिसके वे हकदार हैं। सूत्रों ने बताया कि टीम इंडिया के नंबर 4 बल्लेबाज और पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी हो सकती है। श्रेयस अय्यर को कुछ घरेलू मैच न खेलने की वजह से सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हटा दिया गया था।

अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में करीब 49 की औसत से बनाए रन

अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5 पारियों में 79.41 के स्ट्राइक रेट से 243 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतक भी लगए थे। उन्होंने फाइनल में 62 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली थी। वे टूर्नामेंट के दूसरे टॉप स्कोरर रहे थे।

रोहित, विराट और जडेजा ग्रेड ए+ में बरकरार

वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा ए + में बरकरार रहेंगे। ये तीनों पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह भी ए + ग्रेड में बने रहेंगे। पिछले साल श्रेयस और ईशान किशन को डोमेस्टिक क्रिकेट नहीं खेलने की वजह से बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से हटा दिया गया था। इसके बाद श्रेयस ने घरेलू क्रिकेट में वापसी की और आखिरी रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए पांच मैचों में 480 रन बनाए। नौ मैचों में 345 रन बनाकर श्रेयस सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 325.00 की शानदार औसत से पांच मैचों में 325 रन बनाए।

अभिषेक, नीतीश और वरुण पहली बार हो सकते हैं शामिल

अभिषेक शर्मा, नीतीश रेड्?डी और और वरुण चक्रवर्ती पहली बार क्ष्ष्ह्ठ के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल हो सकते हैं। वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में 9 विकेट लिए थे। नीतीश ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 2024-25 के खेले 12 टी-20 इंटरनेशनल में 200.48 की स्ट्राइक से 411 रन बनाए है।

तेज बैटिंग से 16.2 ओवर में जीत गया पंजाब, लखनऊ को 8 विकेट से हराया; पंत बोले- हम पिच नहीं पढ़ सकें

लखनऊ। प्रभसिमरन सिंह की तेज बैटिंग के दम पर पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में मंगलवार को पंजाब ने बॉलिंग चुनी। लखनऊ ने 7 विकेट खोकर 171 रन बनाए। पंजाब ने 16.2 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। पंजाब से तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट लिए। बैटिंग में प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंद पर 69 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 52 और नेहल वाधेरा ने 43 रन बनाए। लखनऊ से दिग्वेश राठी ने 2 विकेट लिए। निकोलस पूरन ने 44 और आयुष बडोनी ने 41 रन बनाए। 172 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स को ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने महज 34 गेंद पर 69 रन बनाए। उनकी पारी में 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। प्रभसिमरन ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ दूसरे विकेट के लिए 84 रन की पार्टनरशिप भी की। पोंटिंग लेजेंड हैं, वे हमेशा पॉजिटिव बातें करते हैं, इससे टीम का माहौल सही रहता है। वे हमेशा विनिंग माइंडसेट ही टीम में डालना चाहते हैं। उन्होंने हमारे गेम को सपोर्ट करने के लिए कहा है। मैं बस मैच फिनिश करने के बारे में सोच रहा था। मैंने अपने शॉट्स की बहुत प्रैक्टिस की है। खुश हूं कि उन शॉट्स को कनेक्ट कर पाया। अगर किसी युवा खिलाड़ी को बेहतर शुरुआत चाहिए तो आईपीएल से बेहतर प्लेटफॉर्म नहीं हो सकता। यहीं से इंडिया के लिए खेलने का सपना भी देखा जा सकता है। **श्रेयस अय्यर-** तीसरे ओवर में पहला विकेट गंवाने के बाद पंजाब के कप्तान श्रेयस ने पारी संभाली। उन्होंने महज 30 गेंद पर 52 रन बनाए और टीम को जीत दिला दी। **नेहल वाधेरा-** 11वें ओवर में बैटिंग करने उतरे वाधेरा ने तेज बैटिंग की। उन्होंने 25 गेंद पर 43 रन बनाए और श्रेयस के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप भी की। टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने उतरी पंजाब को अर्शदीप ने पहला विकेट दिला दिया।

कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट

गुकेश का कैरुआना से मुकाबला; प्रग्गनानंद ने नाकामुरा को हराया

टोरंटो, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश जब 11वें दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारूआना से भिड़ेंगे तो उनका काम आसान हो जाएगा और उन्हें शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत करने की उम्मीद होगी क्योंकि कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट यहां अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है।

17 वर्षीय गुकेश रूस के इयान नेपोम्नियाचची के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। अन्य भारतीयों में, 18 वर्षीय आर प्रग्गनानंद आराम के एक दिन के बाद उभरते हुए अमेरिकी हिकारू नाकामुरा से भिड़ेंगे। केवल चार राउंड शेष रहने पर, यह दो भारतीय किशोरों के लिए बराबरी का मौका है, जबकि विदित गुजराती ने खुद को मजबूत बनाए रखा है और उन्हें केवल अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। नेपोम्नियाचची, अब तक का एकमात्र अजेय खिलाड़ी है, जो स्न्रढ्ढष्ठश्व ध्वज के तहत खेल रहा है और अगले दो राउंड में उसे एक कठिन प्रतिद्वंद्वी से निपटना है। अगले दौर में गुजराती का मुकाबला नेपोमनियाचची से होगा और उसके बाद प्रगनानंद से मुकाबला होगा और ये दो मैच संभवतः टूर्नामेंट की दिशा तय करेंगे और अगले विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर को तय करने में महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

गुकेश के लिए, कारूआना के साथ संघर्ष महत्वपूर्ण होने वाला है क्योंकि भारतीय के पास सफेद मोहरे हैं। यदि वह लाभ के लिए दबाव डालने में सक्षम है, तो अपने विरोधियों को गलत साबित करने की जिम्मेदारी कारुआना पर होगी। इटालियन से अमेरिकी बने यह खिलाड़ी लगातार छठे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं, लेकिन उन्होंने इसे केवल एक बार जीता है।

गुकेश संभवतः 12वें राउंड में सबसे निचले स्थान पर मौजूद अबासोव को हराने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। काले मोहरों के साथ अजरबैजान के खिलाफ खेलने के लिए तैयार, गुकेश निश्चित रूप से जीत के लिए हर संभव प्रयास करेगा, भले ही अबासोव अपने सफेद मोहरों के साथ बहुत मजबूत हो। भारतीय दृष्टिकोण से वे 2 गेम हैं जो प्रग्गनानंद को खेलने के लिए तैयार हैं।

बार्सिलोना ओपन टेनिस टूर्नामेंट: बतिस्ता ने बार्सिलोना में सफीउल्लिन को हराया

बार्सिलोना, एजेंसी

पूर्व नंबर 9 रॉबर्टो बतिस्ता अगुत ने अपने करियर की 399वीं टूर-स्तरीय जीत के लिए बार्सिलोना ओपन में रोमन सफीउलिन को 6-3, 7-6 (8) से हराया। उन्होंने पहले दौर में एक घंटे, 59 मिनट की जीत से पहले दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में एक सेट प्वाइंट बचाया। स्पैनियार्ड, जो इस सप्ताह 12वें एटीपी टूर खिताब का पीछा कर रहा है, दूसरे दौर में 7वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव से भिड़ेगा। दिन बार्सिलोना में निक हार्ड के लिए एक यादगार दिन था। 23 वर्षीय क्वालीफायर ने घरेलू पसंदीदा मार्टिन लैंडल्यूस को पिस्ता राफा नडाल कोर्ट पर 2-6, 6-4, 6-3 से हराकर एटीपी टूर के मुख्य ड्रॉ में पहली बार जीत हासिल की। हार्ड 2018 में क्विटो में विक्टर एस्ट्रेला बर्गोस के बाद एटीपी टूर मैच जीतने वाले पहले डोमिनिकन बन गए। हार्ड, जो अब तक बार्सिलोना में प्रदर्शन के परिणामस्वरूप रैंकिंग में 30 स्थान ऊपर चढ़कर 199वें नंबर पर पहुंचे।

टेबल टेनिस आईटीटीएफ विश्व कप: मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला ग्रुप चरण में टूर्नामेंट से बाहर हो गई

नईदिल्ली, एजेंसी

दोनों भारतीय पैडलर अपने-अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन नॉक-आउट राउंड के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला बुधवार को टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में 2024 आईटीटीएफ विश्व कप से बाहर हो गई। दोनों भारतीय पैडलर चीन के मकाऊ में एक-एक जीत और एक हार के साथ अपने-अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे। हालांकि, प्रत्येक समूह (कुल 16) में केवल तीन खिलाड़ी होने के कारण, केवल समूह नेता ही नॉक-आउट चरण में आगे बढ़ा। पुरुष एकल वर्ग में कोई भारतीय प्रतिनिधित्व नहीं था। अकुला ने अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की जब दुनिया की 39वें नंबर की खिलाड़ी ने पोलैंड की नतालिया बाजोर को 4-0 (11-9, 11-6, 11-5, 11-5) से हराया। हालांकि, मकाऊ में उनका प्रवास समाप्त हो गया जब उन्हें मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और विश्व नंबर 4 चीन की चेन मेंग ने 1-3 (4-11, 4-11, 15-13, 2-11) से हरा दिया। बत्रा के लिए, जो महिला एकल में 37वें नंबर पर सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय पैडलर हैं, यह एक समान मामला था। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने शुरुआती मैच में रोमानिया की एडिना डायकोनू (9-11, 11-8, 11-6, 11-8) के खिलाफ 3-1 से जीत हासिल की। हालाँकि, बत्रा घरेलू पसंदीदा और दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी वांग मन्यु से 0-4 से हार गए और 6-11, 4-11, 9-11, 4-11 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

मलाइका अरोड़ा ने वेडिंग प्लान पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- मैं अभी अपनी बेहतरीन जिंदगी जी रही हूं..

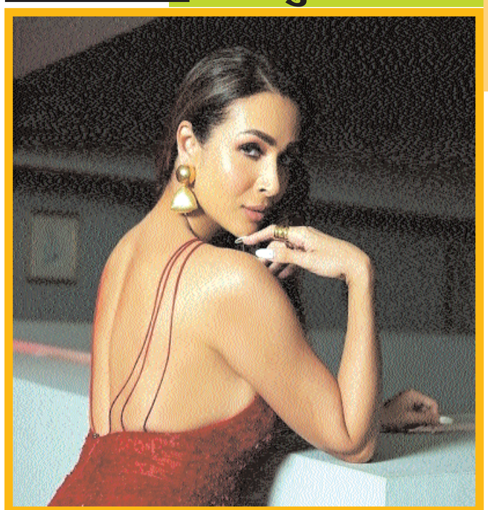

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान तलाक के बाद मूव ऑन कर चुके हैं. जहां हाल ही में अरबाज ने सेलेब्स मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान संग शादी की थी तो मलाइका भी 6-7 सालों से अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं. हालांकि मलाइका और अर्जुन के ब्रेकअप की अफवाहें भी उड़ती रहती हैं लेकिन कपल हमेशा अपनी केमिस्ट्र से इन रूमर्स को खारिज करते रहते हैं. हाल ही में, मलाइका अरोड़ा से पूछा गया था कि उनकी शादी की प्लानिंग क्या है. जानते हैं एक्ट्रेस ने इसका क्या जवाब दिया है. दरअसल मलाइका अरोड़ा अपने बेटे अरहान खान के पॉडकास्ट डंब बिरयानी के लेटेस्ट एपिसोड में बतौर गेस्ट शामिल हुई थीं. रैपिड-फायर राउंड के दौरान अरहान ने अपनी मां से उनकी शादी की प्लानिंग के बारे में सवाल पूछा था. अरहान ने मलाइका से पूछा था कि वे किस डेट, वेन्यू और पर्सन के साथ शादी के बंधन में बंधेगी? इस पर मलाइका ने कहा था कि वह फिलहाल उन सवालों का जवाब नहीं दे सकतीं और उन्होंने इसके बजाय मिर्च खाना चुना. उन्होंने आगे कहा कि वह फिलहाल अपनी बेहतरीन जिंदगी जी रही हैं. बॉलीवुड दिवा मलायका अरोड़ा और अभिनेता अर्जुन कपूर सबसे फेमस सेलिब्रिटी जोड़ों में से एक हैं. वे सोशल मीडिया पर झलकियां शेयर करने से नहीं कतराते हैं।

डैनी फिल्मों में आने से पहले सक्सेसफुल सिंगर थे

बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर रहे डैनी डेन्जोंगपा का नाम आज भी लोगों को एक बेहतरीन एक्टर के रूप में याद है। डैनी ने इंडस्ट्री में पांच दशकों से भी ज्यादा समय तक काम किया है। अपने इस लंबे करियर में उन्होंने कई किरदार निभाए और एक से बढ़कर एक फिल्में की। उन्होंने अपनी एक्टिंग से यह साबित कर दिया कि वे इंडस्ट्री के शानदार कलाकारों में से एक हैं। डैनी का जन्म 25 फरवरी 1948 को सिक्किम में हुआ था। उनके गहरे व्यक्तित्व और भारी आवाज ने उन्हें खूब पॉपुलैरिटी दिलाई। जब भी वे स्क्रीन पर आते थे, दर्शकों का दिल जीत लेते थे। आज हम आपको डैनी से जुड़े दिलचस्प किस्से बताने जा रहे हैं, जो बहुत कम लोग जानते हैं। शानदार गायक के रूप में बना चुके थे नाम डैनी का असली नाम शेरिंग फिंटसो डेन्जोंगपा है। डैनी एक फेमस एक्टर हैं, उन्होंने बॉलीवुड को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। डैनी ने अदाकारी से इंडस्ट्री में एक अलग ही जगह बनाई है। बता दें कि डैनी सिक्किम के सुरम्य पहाड़ी शहर गंगटोक से हैं। वे भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाले अभिनेताओं में से एक माने जाते हैं।

'करियर खत्म कर लोगी, ये फिल्म मत करो', 'चमकीला' के लिए को-एक्टर्स ने दी थी वार्निंग

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों फिल्म चमकीला को लेकर चर्चा में हैं. इस फिल्म में वो सिंगर अमर सिंह चमकीला की पत्नी अमरजोत कौर का रोल निभाया. इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मेल लीड रोल में हैं. फिल्म को इम्तियाज अली ने डायरेक्ट किया है. फिल्म को फैंस ने काफी पसंद किया और दिलजीत और परिणीति के काम की तारीफ हो रही है. इसी बीच एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने ये फिल्म साइन की थी तो कई को-एक्टर्स ने उन्हें वार्न किया था कि ये फिल्म न करें. चमकीला के लिए परिणीति ने 16 किलो वजन बढ़ाया था. इस फिल्म के बारे में बताते हुए परिणीति ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में कहा, मुझे याद है कि जब मैंने अपने को-स्टार्स को बताया कि मैं ये फिल्म कर रही हूं और वजन बढ़ा रही हूं. तो उनमें से कुछ ने कहा- क्या तुम पागल हो गई हो? तुम अपना खत्म कर लोगी, ये फिल्म मत करो. लेकिन मुझे पता था कि ये फिल्म करनी थी.

परिणीति को लेकर उड़ी अफवाहें: इसके अलावा एक्ट्रेस ने बताया, मैंने दो साल तक चमकीला की शूटिंग की, तो इसलिए मेरा बहुत सारा काम मिस हो गया था. मैं बहुत खराब दिख रही थी. लोग कयास लगा रहे थे कि मैं प्रेग्नेंट हूं, मैंने बोटोक्स कराया है, और भी कई तरह की अफवाहें उड़ रही थी, मुझे लेकर. मैं रेड कार्पेट पर भी मुश्किल से जाती थी. मैं ज्यादा पब्लिक अपीरियंस नहीं दे रही थी. अभी भी मेरा वजन कम नहीं हुआ है. लेकिन मुझे फर्क नहीं पड़ता. विद्या बालन जैसी एक्ट्रेसेस द डर्टी पिक्चर करके मुझे इंस्पायर करती हैं. हॉलीवुड में भी लोग खुद को ट्रांसफॉर्म करते हैं और सब कुछ खो देते हैं. मैं उसी तरह की एक्टर हूं.

मेट्रो बाजार

आरबीआई का फरमान: लोन वाले एक्स्ट्रा चार्ज नहीं छुपा सकेंगे बैंक

मुंबई, एजेंसी

आरबीआई ने सभी बैंकों और फाइनेंस कंपनियों से ग्राहकों को की फैक्ट स्टेटमेंट (केएफएस) देने का निर्देश दिया है। साथ ही केएफएस के लिए गाइडलाइंस भी जारी की है। इससे बैंक ग्राहकों से लोन पर लगने वाले अलग-अलग चार्ज और फीस की जानकारी नहीं छुपा सकेंगे। उन्हें ग्राहकों को सभी तरह की फीस और चार्जेज के बारे में बताना होगा। आरबीआइ ने एनुअल परसेंटेज रेट (एपीआर) को भी पेश किया है। एपीआर लोन लेने वाले ग्राहकों के लिए लोन की एनुअल कॉस्ट है, जिसमें ब्याज दर और अन्य शुल्क शामिल हैं। आरबीआई ने कहा, थर्ड पार्टी सर्विस प्रोवाइडर्स की मदद से रेग्युलेटेड एंटिटीज (बैंक और एनबीएफसी) ने लोन लेने वालों से जो भी चार्ज वसूले हैं, वह एपीआर का हिस्सा होंगे।

इसका अलग से खुलासा करना होगा। इनमें बीमा और कानूनी चार्जेज भी शामिल हैं। एपीआर ग्राहकों और एग्रीगेटर्स को अलग-अलग बैंकों से लोन की कुल लागत की तुलना करने की अनुमति देगा। लोन लेने वाले ग्राहकों के लिए अच्छी खबर है। केएफएस में लोन की बेसिक जानकारी के अलावा सभी फीस और एनुअल कॉस्ट शामिल होंगी। इस स्टेटमेंट में रिकवरी एजेंटों पर पॉलिसी, शिकायतों के लिए कॉन्टैक्ट डिटेल्स और दूसरों को लोन बेचे जाने की संभावना की डिटेल्स भी देनी होगी। आरबीआई ने कहा, बैंक इन दिशानिर्देशों को जल्द से जल्द लागू करने के लिए जरूरी सिस्टम और प्रक्रिया तैयार करेंगे।

महंगाई: कच्चे माल के घटे दाम, पर बिल नहीं घटा

नईदिल्ली,एजेंसी।

एफएमसीजी इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले अधिकतर कच्चे माल की कीमतें अभी तक या तो स्थिर थी या घटी थी। इसके बावजूद रोजमर्रा के सामान की ऊंची कीमतों से राहत नहीं मिली। पिछली कुछ तिमाहियों में होम, पर्सनल और फूड कैटिगरी से जुड़े प्रोडक्ट की कीमतों में कटौती की गई है। इसके बावजूद उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें दो साल पहले की तुलना में अधिक बनी हुई हैं। एफएमसीजी कंपनियों ने प्रॉफिट मार्जिन को मेंटेन रखने के लिए खुदरा कीमतें नहीं घटाई। हालांकि, कंपनियों ने होम, पर्सनल केयर, फूड कैटिगरी से जुड़े कुछ उत्पादों की कीमतों में कटौती की, इसके बावजूद उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें दो वर्ष पहले की तुलना में अधिक है। अब इजरायल और ईरान के बीच जंग के आसार से सप्लाई चेन में रुकावट आने की आशंका है, जिससे रोजमर्रा के काम में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की कीमतें बढ़ने की आशंका है। ज्यादातर कंस्यूमर गुड्स कंपनियों की तरफ से कंस्यूमर गुड्स कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल, सप्लाई चेन में बढ़ती लागत को मेंटेन करने के लिए पिछले दो साल में कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। दरअसल, कॉस्ट इंफ्लेशन कोरोना महामारी के साथ शुरू हुई और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद इसमें और इजाफा हुआ है। इकॉनमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एक साल पहले की तुलना में क्रूड ऑयल, पॉम ऑयल और कॉफी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। जबकि कोको, कॉफी और चीनी की कीमतों में तेजी से इजाफा हुआ है।

अलमारी में रखी नगदी समेत जेवरात हुए चोरी

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित बाग उमराव दूल्हा में अज्ञात बदमाश सूने मकान से बीस हजार रुपए की नगदी समेत जेवरात चुराकर ले गया। घटना के समय परिवार रोज इफ्तार के लिए गया था। परिजन ने घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे, लेकिन फुटेज में कोई संदिग्ध नजर नहीं आया। इसके बाद पुलिस को शिकायत की गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अब्दुल्ला अंसारी पिता स्व. सलीम अंसारी (22) गली नं. 2 रायल शादी हाल के पास बाग उमराव दूल्हा ऐशबाग में रहते हैं और कार इलेक्ट्रीशियन का काम करते है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया किक मां फैमिदा अंसारी, बड़े भाई हासिम अंसारी, भाभी सानिया अंसारी, भाई कासिम अंसारी, के साथ बड़ी बहन के यास्मिन अंसारी के घर रोजा इफ्तार कार्यक्रम में गए थे। वहां से लौटे तो उनकी मेरी भाभी सानिया अंसारी के कमरे के अंदर बेड में रखे बीस हजार रुपए और मां की सोने की दो रिंग नहीं थी। कोई अज्ञात चोर चुराकर ले गया था।

गेहूं निकालते समय थ्रेशर में गया हाथ, किसान की मौत

भोपाल। नजीराबाद इलाके में गेहूं निकालते समय थ्रेशर की चपेट में आए एक किसान की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। थाना प्रभारी कृष्णा सिंह ठाकुर ने बताया कि अर्जुन गिरी (27) ग्राम बरखेड़ा कला नजीराबाद में रहता था और किसानी करता था। परिवार में पत्नी के अलावा दो छोटी बच्चियां हैं। मंगलवार सुबह अर्जुन अपने खेत पर थ्रेशर से गेहूं निकाल रहा था, तभी उसके दोनों हाथ थ्रेशर की साफ्ट में फंसकर कट गए। मौके पर मौजूद परिजनों ने उसे इलाज के लिए तत्काल ही बैरसिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। हाथ कटने के कारण शरीर से अधिक मात्रा में खून बह गया था, जिससे अर्जुन की मौत होना बताया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रक से कुचलकर मासूम की हुई मौत, पिता गंभीर

भोपाल। गुनगा इलाके में बीती रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने पिता-पुत्री को टक्कर मार दी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई बच्ची की हमीदिया अस्पताल में मौत हो गई, जबकि पिता का इलाज चल रहा है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक को जब्त कर लिया है। चालक की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। हादसे के समय पिता-पुत्री बैरसिया जाने के लिए साधन का इंतजार कर रहे थे, जबकि ट्रक गल्ला भरने के लिए मंडी की तरफ जा रहा था। थाना प्रभारी हरिसिंह वर्मा ने बताया कि आमना अली पुत्री मो. जाहिद अली (6) शेरपुरा बैरसिया की रहने वाली थी। मंगलवार की शाम को वह अपने परिवार के साथ ग्राम रुसल्ली में रहने वाले रिश्तेदार के यहां आई थी। रात करीब ग्यारह बजे पूरा परिवार बैरसिया वापस लौटने के लिए रुसल्ली चौराहे पर साधन का इंतजार कर रहा था। उस वक्त आमना के साथ परिवार को अन्य बच्चे भी थे। इसी दौरान भोपाल से बैरसिया की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी आमना अली और उसके पिता मोहम्मद जाहिद अली को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां बच्ची आमना ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल पिता का इलाज चल रहा है। टीआई वर्मा ने बताया कि टक्कर मारने वाले ट्रक को जब्त कर लिया गया है। घटना के समय चालक ट्रक लेकर भोपाल से बैरसिया गल्ला मंडी अनाज भरने के लिए जा रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वाहन में बैठे दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया, लाखों के माल की अवैध तस्करी

क्राइम ब्रांच ने पकड़ी बोलेरो पिकअप में शराब तस्करी, बीस पेटी मदिरा जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच की टीम नगर स्थित सरस्वती नगर मल्टी के पीछे से बोलेरो पिकअप वाहन से बीस पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की है। इस दौरान पिकअप वाहन में बैठे दो शराब तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। शराब की कीमत 1 लाख 65 हजार रुपए बताई जा रही है। इसके साथ ही शराब तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बोलेरो पिकअप भी जब्त की है। जब्त पिकअप वाहन की कीमत दस लाख रुपए बताई जा रही है।

क्राइम ब्रांच शराब की तस्करी करने वाले तस्करों पर आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर शराब के बारे में पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि सरस्वती नगर मल्टी में पीछे की तरफ एक बोलेरो पिकअप वाहन खड़ा है, जिसमें बड़ी मात्रा में शराब लदी हुई है। सूचना मिलते ही हरकत में आई क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके की घेराबंदी की और पिकअप वाहन में बैठे दो युवकों को हिरासत में लिया। ड्राइवर सीट पर बैठे युवक ने अपना नाम दीपक कुचबंदिया पिता थान सिंह कुचबंदिया (33) अटल अय्युब नगर, गौतम नगर बताया। बगल वाली सीट पर बैठे युवक से नाम छविकांत सिरोडे (26) शंकर नग, छोलामंदिर बताया। बोलेरो पिकअप की तलाशी लेने पर पीछे वाली सीट पर 20 पेटी बैग पाइपर विस्की की बोतल मिली। उक्त शराब के बारे में लायसेंस पूछा गया तो वह वह नहीं बता सके और खुद की शराब होने की बात कही। जब्त शराब बीस पेटी, 180 लीटर है। जिसकी कीमत 1 लाख 65 हजार रुपए है।

टाटा हैरियर से की दो पेटी बीयर बरामद

भोपाल। कमला नगर पुलिस ने टाटा हैरियर कार का पीछा कर उसमें रखी दो पेटी बीयर जब्त की है। जब्त बीयर 24 बोतल है, जिसकी कीमत 5 हजार 3 सौ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने शराब तस्करी कर रहे कार सवार पर आबकारी एक्ट का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि जमानती धारा होने के कारण उसे थाने से ही जमानत दे दी गई। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि नेहरू नगर चौराहा पर एक युवक लग्जरी गाड़ी में बीयर की पेटी लेकर खड़ा है और गाड़ी से बीयर बेच रहा है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की और लग्जरी गाड़ी की तरफ बढ़ी। इस दौरान गाड़ी की ड्राइवर सीट पर बैठे युवक ने गाड़ी लेकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में गाड़ी में बैठे युवक ने अपना नाम कैलाश मारन पिता हरिसिंह मारन (39) बरखेड़ी कलां, नीलबड़ रातीबड़ बताया। उसकी गाड़ी की पीछे वाली सीट चेक की गई तो उसमे बीयर की दो पेटियां रखी मिली। जिसमें 24 बोतल किंगफिशर कंपनी की थी। जिसे जब्त किया गया।

मामूली कहासुनी के बाद तीन युवकों पर किया चाकू से हमला

कोलार थाना क्षेत्र स्थित बंजारी मैदान पर वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित बंजारी मैदान पर एक बदमाश तीन युवकों पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। दरअसल, तीनों युवक आपस में बात कर रहे थे, तभी बदमाश वहां पहुंचा और उन्हें बुरा कहने लगा। तीनों युवकों ने उसे समझाइश दी और जाने का कहा तो वह भड़क गया। उसने अपने पास रखा चाकू निकाला और तीनों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चाकू लगने से तीनों को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी ताश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया सचिन सोमकुंवर (29) न्यू अम्बेडकर नगर, कोलार में रहता है। वह अपने साथी विनोद सोमकुंवर व आशीष टांडेकर के साथ थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि गत 31 मार्च की रात करीब साढ़े 8 बजे वह वह मौसी के बेटे विनोद सोमकुंवर के साथ बंजारी दशहरा मैदान आया था विनोद व आशीष टांडेकर हम तीनों आपस मे बातें कर रहे थे।

उसी समय मोहल्ले का रहने वाला अनिल पोर्ते उर्फ कालू वहां पहुंच गया। वह साथियो के बारे उल्टी सीधी बाते करने लगा। हम तीनो ने उसे समझाया तो वह गालियां देने लगा। मना करने पर उसने अपने पास रखे चाकू से हम लोगो पर हमला कर दिया। चाकू से चोट सचिन को पीठ पर लगी है, जबकि विनोद को कान मे व आशीष को सर व मुंह के पास लगी है।

पड़ोसी ने डंडा मारकर किशोरी का हाथ तोड़ा

भोपाल। स्टेशन बजरिया इलाके में रहने वाली एक किशोरी पर पड़ोसी ने डंडे से हमला कर दिया, जिससे बच्ची के हाथ पर फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार श्यामबाई (50) राजेंद्र नगर बजरिया में रहती हैं और गृहणी हैं। दोपहर करीब दो बजे उनकी झुग्गी के बाहर से कुत्ते के भौंकने की आवाज आई तो वह अपनी बेटी किरण (14) के साथ बाहर निकली। देखा तो एक आवारा कुत्ते ने पड़ोस में रहने वाली बच्ची को काट लिया था। उन्होंने किसी तरह कुत्ते के भगाया और रोशनी को बोला कि अपने घर जाकर घटना की जानकारी दे दो। रोशनी घर के अंदर गई, जिसके बाद उसका पिता बृजेश यादव डंडा लेकर बाहर निकला। उसे लगा कि मां-बेटी की वजह से कुत्ते ने उसकी बच्ची को काटा है, इसलिए उसने गाली-गलौज करने की शुरू कर दी और किरण के हाथ और पैर पर डंडे से मार दिया। श्यामबाई ने किसी तरह अपनी बेटी को बचाया और उसे लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया तो पता चला कि उसके दाहिने हाथ में फ्रैक्चर हो गया है। पुलिस ने आरोपी बृजेश यादव के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पत्नी की मौत से दुखी पति ने फांसी लगाकर दी जान

युवक ट्रक पर क्लीनर का करता था काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में कल मंगलवार शाम एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि चार साल पहले उसकी पत्नी का निधन हो गया था। पत्नी की मौत के बाद घर की और तीनों बच्चों की जिम्मेदारी उस पर आ गई थी।

पुलिस के अनुसार लक्ष्मण प्रजापति पिता उमराव प्रजापति (42) ट्रांसपोर्ट नगर कोकता में रहता था और ट्रक पर क्लीनर का काम करता था। उसके तीन बच्चे है। पत्नी की मौत करीब चार साल पहले हो चुकी है। लक्ष्मण का बड़ा बेटा 17 साल का है। उसने पुलिस को बताया कि मंगलवार शाम पिता ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लक्ष्मण का शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया था। उसकी और घर की तलाशी लेने पर सुसाइड नोट नहीं मिला है। बड़े बेटे ने पुलिस का बताया कि मां की मौत के बाद पिता दुखी रहते थे। वे कहते थे कि बाहर काम के बाद घर की जिम्मेदारी उठाकर वह थक चुके हैं।

संदिग्ध हालातों में युवक की हुई मौत

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित आदर्श नगर झुग्गी में कल मंगलवार शाम एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अचानक तबीयत बिगड़ने और घबराहट होने पर परिजन उसे लेकर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां से जय प्रकाश अस्पताल ले जाया गया। जय प्रकाश अस्पताल में डॉक्टर ने चेक करने के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। पुलिस के अनुसार दीपक राव पिता मोहनलाल (27) झुग्गी- 89, आदर्श नगर, अशोका गार्डन में रहता था और मजदूरी करता था। कल मंगलवार शाम करीब 7 बजे उसकी तबीयत बिगड़ी परिजन उसे नजदीक स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां हालत नाजुक बताते हुए डॉक्टर ने जय प्रकाश अस्पताल ले जाने की सलाह दी। परिजन उसे लेकर जय प्रकाश अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि उसकी मौत हार्ट अटैक से हुई है।

मेट्रो एंकर सूने मकानों से नकदी और जेवरात समेत हजारों का सामान चोरी, मामले दर्ज

केश, जेवर और मोबाइल लेकर अज्ञात चोर गायब

भोपाल, दोपहर मेट्रो

फाइल फोटो

शहर के अलग-अलग इलाकों में बदमाश सूने मकानों से नकदी और जेवरात समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है, लेकिन एक भी वारदात के आरोपियों का सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस के मुताबिक अब्दुल्लाल अंसारी (22) रायल शादी हाल के पास बागउमराव दूल्हा ऐशबाग में रहते हैं और एमपी नगर में कार इलेक्ट्रीशियन का काम करते हैं। बीती 29 मार्च की शाम करीब पांच बजे वह अपने पूरे परिवार के साथ बड़ी बहन के घर रोजा इफ्तार कार्यक्रम में शामिल होने चले गए थे। कुछ समय बाद वापस लौटे तो उनकी भाभी के कमरे में रखे बेड से 20 हजार रुपए नकद और सोने की दो रिंग गायब थी। उन्होंने घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, लेकिन कोई संदेही दिखाई नहीं दिया। बाद में अब्दुल्ला ने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर टीला जमालपुरा थानांतर्गत रविदासपुरा में रहने वाले माजिद खान के घर से चोर सोने-चांदी के जेवरात और 12 हजार रुपये नकदी समेत करीब 50 हजार का सामान चोरी कर ले गए। इसी प्रकार निशातपुरा थानांतर्गत जनता नगर में रहने वाले नूर हसन के घर से चोर जेवरात और नकदी समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। खुले मकानों से कीमती मोबाइल फोन चोरी बागसेवनिया थानांतर्गत नारायण नगर में रहने वाले अंशुल कुमार गौर के खुले कमरे से चोरी एक मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। चोरी गए मोबाइल की कीमत 40 हजार रुपए बताई गई है। इसी थानांतर्गत विद्या नगर फेस-2 में रहने वाले रितिक बत्रा के खुले कमरे से 35 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो गया। गोविंदपुरा थानांतर्गत जनता क्वार्टर गौतम नगर में रहने वाले आदिल खान के घर से 9 हजार रुपए कीमत का मोबाइल चोरी हो गया। इसी प्रकार कमला नगर थानांतर्गत अम्बेडकर नगर में रहने वाले मुनेंद्र गर्ग के घर से चोर एक लैपटाप चोरी कर ले गए। आधा दर्जन दोपहिया वाहन ले उड़े बदमाश शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। पिछले चौबीस घंटे के दौरान बदमाश आधा दर्जन से ज्यादा दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। अवधपुरी थानांतर्गत सोनपुरा खजूरीकला में रहने वाले रामस्वरूप के घर से चोर एकसाथ 2 बाइक चोरी कर ले गए। इसी प्रकार हनुमानगंज थानांतर्गत सिंधी कालोनी से मुकेश बाथम और बैरसिया रोड स्थित बैंक के सामने खड़ी आरिफ मियां की बाइक चोरी हो गई। अशोका गार्डन स्थित औद्योगिक क्षेत्र से दिलीप पवार, जवाहरलाल नेहरू गैस राहत अस्पताल गौतम नगर से जगन्नाथ प्रसाद और चूनाभट्टी स्थित शाहपुरा से रफीक खान की बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

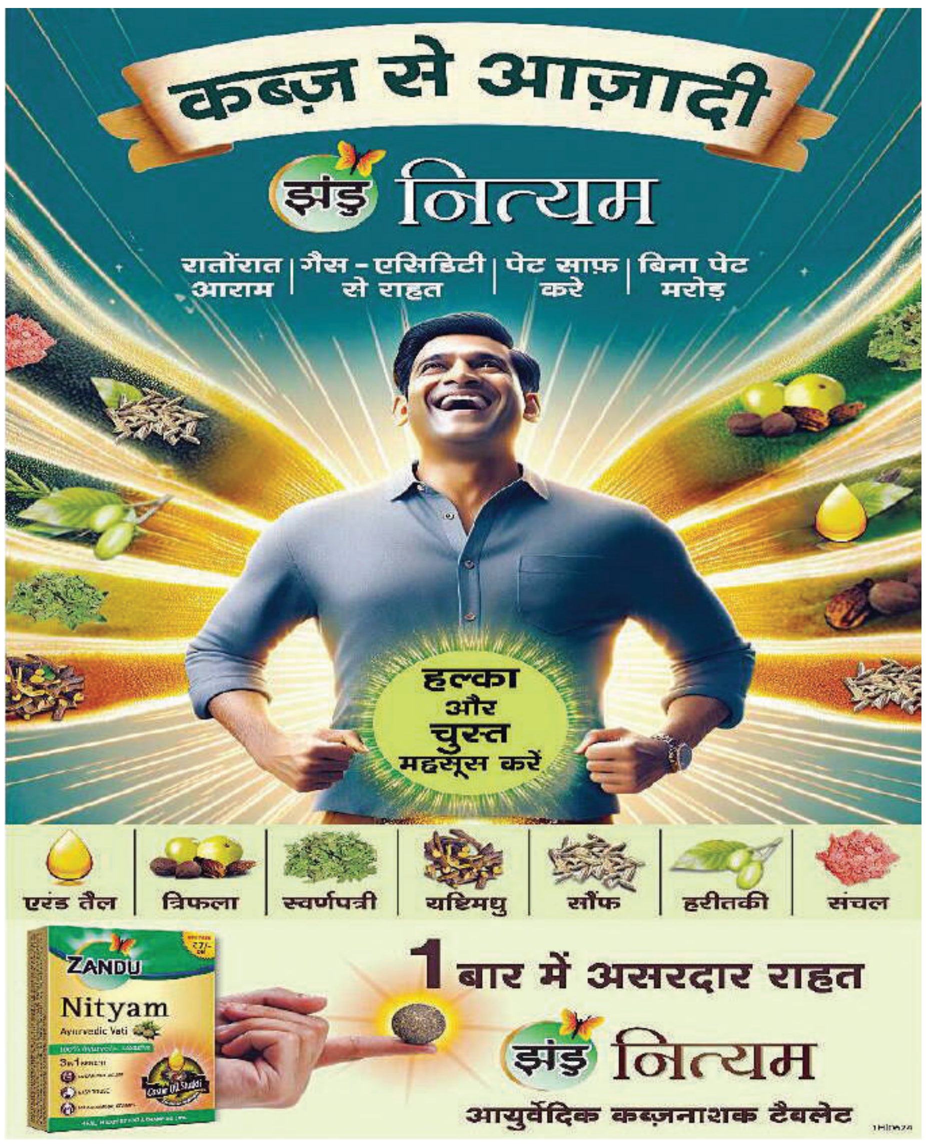

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022